रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शनिवार
19 सितंबर -2026
वर्ष 11, अंक 11
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में जुमे की नमाज के दौरान धमाका

● मस्जिद में 15 लोगों की मौत 50 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को भीषण बम ब्लास्ट हुआ है। कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके की मस्जिद को धमाके का निशाना बनाया गया। इसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए हैं। ये धमाका दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के समय हुआ। जुमे की वजह से

मस्जिद के अंदर और बाहर काफी भीड़ थी। इसके चलते ब्लास्ट से बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। घायलों में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर अस्पताल के एमडी ताहिर अली शाह ने जियो न्यूज को बताया कि धमाके के बाद 15 शव और 50 से घायल लोगों को अस्पताल लाया गया। इसमें कई घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, धमाका जुमे की नमाज के दौरान हुआ। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि मस्जिद के बाहर गड्ढा बन गया। धमाके के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया। बचाव कर्मियों ने बताया कि धमाके से मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक दीवार भी गिर गई।

पन्ना की मझगवाँ खदान से मिला 27.29 कैरेट का उत्कृष्ट हीरा, कीमत करोड़ों में

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले स्थित एनएमडीसी (नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) की मझगवाँ खदान से 27.29 कैरेट का जेम गुणवत्ता वाला हीरा 15 सितंबर 2026 को प्राप्त हुआ है। कंपनी ने स्वयं इसकी पुष्टि की है तथा द हिंदू, इकोनॉमिक टाइम्स, मनीकंट्रोल, इंडिया टीवी, अमर उजाला सहित अनेक विश्वसनीय समाचार माध्यमों ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया है।'हीरों की धरती' पन्ना में एक और अमूल्य रत्न मिला है। मध्य प्रदेश स्थित एनएमडीसी की मझगवाँ खदान से 27.29 कैरेट का उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला हीरा प्राप्त हुआ है। 15 सितंबर 2026 को हुई यह खोज जिले के खनन इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है।मार्च 2024 में मशीनों द्वारा खनन कार्य पुनः आरंभ होने के बाद से यह सबसे बड़ा और सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाला हीरा है। 27.29 कैरेट का यह हीरा 2010 में मिले 34.37 कैरेट के हीरे के बाद पन्ना से एनएमडीसी को प्राप्त दूसरा सबसे बड़ा हीरा है। इसके अतिरिक्त, यह जुलाई 2026 में मिले 13.16 कैरेट के हीरे से भी बड़ा है।इसके रंग, चमक, कैरेट भार तथा विशेष 'एस-आकृति' के आधार पर प्रारंभिक अनुमान में इसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आँकी गई है। कुछ रिपोर्टों में इसे डेढ़ से ढाई करोड़ रुपये के बीच भी बताया जा रहा है।

● एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी आज,जापान में हो रहे हैं गेम्स

मनु भाकर और तेजिंदर तूर होंगे भारतीय दल के ध्वजवाहक

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार निशानेबाज मनु भाकर और शॉटपुट में गत चैंपियन तेजिंदर पाल सिंह तूर को एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में भारत के ध्वजवाहक होंगे। एशियन गेम्स में इवेंट्स की शुरुआत हो गई है लेकिन अभी ओपनिंग सेरेमनी नहीं हुई है। ओपनिंग सेरेमनी के बाद मेडल इवेंट होंगे। 20वें एशियाई खेल जापान के आइची प्रान्त और नागोया में हो रहे हैं। भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने कहा कि मनु भाकर एक ध्वजवाहक होंगी। इसके बाद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने पुष्टि की कि तूर दूसरे ध्वजवाहक होंगे।

24 साल की मनु भाकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए दो मेडल जीते थे। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत के साथ ही मिक्स्ड टीम का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 31 साल के तूर एशियन गेम्स में शॉट पुट के दो बार के डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

496 भारतीय एथलीट एशियन गेम्स में उतरेंगे

19 सितंबर को एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन पालोमा मिजुहो स्टेडियम में किया जाएगा। यह मल्टी स्पोर्ट्स स्टेडियम है। इसकी क्षमता 30 हजार दर्शकों की है और यहां एशियन गेम्स के एथलेटिक्स के भी इवेंट होंगे। भारत की तरफ से कुल 496 एथलीट्स एशियन गेम्स में उतरने वाले हैं। इसमें 265 पुरुष और 231 महिलाएं हैं। 2022 में चीन में हुए एशियन गेम्स में भारत ने 28 गोल्ड समेत कुल 106 मेडल जीते थे। इस एशियन गेम्स में 46 देश के 10 हजार से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। 43 खेल के 469 इवेंट्स में खिलाड़ी मेडल के लिए दावेदारी पेश करेंगे। मेजबान जापान की तरफ से सबसे ज्यादा 919 एथलीट गेम्स में हिस्सा लेंगे। एशियन गेम्स इतिहास का सबसे सफल देश चीन 803 एथलीट उतारेगा।

रणवीर सिंह ने लिया 1000 बेटियों की पढ़ाई का संकल्प

● लालबागचा राजा पहुंचे थे; बोले- आशा है, इससे बप्पा प्रसन्न होंगे

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर रणवीर सिंह ने मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 1000 बेटियों की शिक्षा में मदद करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बप्पा का आशीर्वाद लेकर आगे के सफर के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। एक इंटरव्यू में रणवीर ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है यहां आकर। जो पिछला साल गुजरा है, मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए खुशियों से भरा

रहा, बप्पा की कृपा से। तो यहां आए हैं उनके दर्शन करने, उनको धन्यवाद कहने और उनका आशीर्वाद लेने, आगे के सफर के लिए, जीवन के सफर के लिए। उन्होंने आगे कहा, हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर, मैं सेवा संकल्प अभियान से जुड़कर हजार बेटियों की पढ़ाई में मदद करने का संकल्प लेता हूं। आशा है कि इसके चलते बप्पा प्रसन्न होंगे और उनका आशीर्वाद हमेशा हम पर रहेगा। बस, धन्यवाद। जय गणेश। जय गणेश। 'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुरू किया गया है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत लोग अलग-अलग तरह की सेवा का संकल्प ले सकते हैं। रणवीर के अलावा आलिया और रणबीर कपूर भी कल इस अभियान से जुड़े हैं।

पेपर लीक रोकने के क्या हुए इंतजाम

जांचेगा सुप्रीम कोर्ट

● जज एनटीए दफ्तर जाएंगे,एजेंसी ने कहा था-एग्जाम सिस्टम फुलप्रूफ बनाया

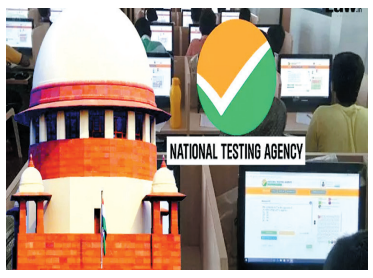

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर नीट परीक्षा सिस्टम की जांच के लिए जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के ऑफिस का दौरा करेंगे। वे देखेंगे कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने के इंतजाम वास्तव में काम कर रहे हैं या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की बेंच यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेमा और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इसमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। इससे पहले सरकार ने 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। कोर्ट ने एनटीए को अपने सुधारों और अब तक हुई प्रगति का ब्योरा वेबसाइट पर डालने का निर्देश दिया है। इससे परीक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों की जानकारी सार्वजनिक होगी। एनटीए के लिए पर्याप्त स्थायी कर्मचारी और विशेषज्ञ स्टाफ रखने की जरूरत पर चर्चा हुई।

डिजिटल परीक्षा चरणबद्ध तरीके से होगी

कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे धीरे-धीरे लागू करना होगा, ताकि नई व्यवस्था में परेशानी न हो। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा सुधारों को लेकर वकील और राज्य अपने सुझाव तय ई-मेल के जरिए भेज सकते हैं। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा। केंद्र ने कोर्ट को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली हाई-पावर्ड पैनल की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

अब 'ममता टीएमसी' होगा ममता बनर्जी की पार्टी का नाम

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाला मूल चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। यह अंतरिम व्यवस्था है। मूल नाम और चिह्न पर अंतिम फैसला अभी आना बाकी है। अब दोनों गुट उपचुनाव में नई पार्टी नाम और सिंबल से चुनाव लड़ेंगे। नंदीग्राम और रेजीनगर पर 6 अक्टूबर को वोटिंग हैं और रिजल्ट 9 अक्टूबर को आएगा। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। ऋतब्रत बनर्जी धड़े से मोहम्मद एतेशामुल हक नंदीग्राम से प्रत्याशी हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमला,कार के शीशे तोड़े

● अंडे-टमाटर भी फेंके, बिट्टू का एएपी समर्थकों पर आरोप

गुरदासपुर (एजेंसी)। पंजाब में बीजेपी की नशा मुक्त रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया। बिट्टू शुक्रवार को अमृतसर से पठानकोट में यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बिट्टू ने कहा कि बटाला (गुरदासपुर) के पास काफिले को

घेरा गया। इसके बाद हमला कर गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। उन पर टमाटर और अंडे फेंके गए। पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को वाय+ सिक्योरिटी मिली हुई है। माहौल बिगड़ते देख उनके सुरक्षाकर्मी तुरंत उन्हें एक घर में ले गए। बिट्टू ने आरोप लगाया कि फतेहगढ़ चूड़ियां से एएपी के हलका इंचार्ज जोबन रंधावा के समर्थकों ने लंगर की आड़ में उन पर हमला किया है। उन्होंने 2 आरोपियों को भी पकड़ा।

एएपी नेता के ऑफिस के पास जुटे थे कार्यकर्ता

रवनीत बिट्टू ने बताया कि उनका काफिला बटाला के घासीतपुर स्टेशन के पास पहुंचा तो हाईवे किनारे आम आदमी पार्टी के फतेहगढ़ चूड़ियां विधानसभा सीट के इंचार्ज जोबन रंधावा के कार्यालय के पास कुछ कार्यकर्ता मौजूद थे। काफिला वहां पहुंचते ही अंडे और टमाटर फेंके गए। उन्हें घेरने की कोशिश की गई, जिसके बाद सुरक्षा कारणों से गाड़ियां रोकनी पड़ीं। रवनीत बिट्टू ने बताया कि स्थिति को देखते हुए उन्होंने हाईवे पर गाड़ी रुकवाई। इसके बाद सुरक्षाकर्मी उन्हें पास के ही एक घर में ले गए। कुछ लोगों के हथियारबंद होने के कारण सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें वहां घेरा डालकर सुरक्षित रखा। बाद में उनकी सुरक्षा टीम ने कथित तौर पर दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

यहां सेक्युलर लागू नहीं होता,भारत धर्मप्राण देश है

मोहन भागवत बोले-हम दुनिया के संघर्ष में नहीं पड़ते

संघ प्रमुख ने युवाओं को समझाया रिलीजन का अर्थ

उज्जैन (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उज्जैन में युवा धर्म संसद में संवाद किया है। संवाद के दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म और रिलीजन मतलब समझाया है। उन्होंने धर्म हमें मुक्त करता है और रिलीजन बांधता है। हमें धर्म को मानना है। संघ प्रमुख ने कहा कि पाश्चत्य तरीके से खेती करने की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। मोहन भागवत ने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने के ग्रंथ है, लेकिन ऐसा नहीं है। धर्म अस्तित्व के प्रारंभ से लेकर अंत तक रहता ही है और सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। आप इसको मानो या मत मानो। दुनिया में कुछ चीजों हैं, सूर्य है, आप कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अगर नहीं मानते,तो मत मानो, उसका उदय निश्चित है।

भारत के हर शहर में धर्मशाला बनवाया

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पहले भी बिजनेस किया। सालों से करते आ रहे हैं। उनलोगों ने धर्मदाय किया है। शहरों में लोगों के लिए धर्मशाला बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बुद्धि से कमाओ और लोगों में भी बांटो। अपने जीवन को चलाओ लेकिन दूसरों को कष्ट नहीं हो। तुम्हारा जीवन चलेगा तो सबका जीवन चलेगा। हम कमाई करें लेकिन दूसरों को धक्का नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि धर्म सत्य पर आधारित है। यह अनेकता प्राकृतिक और सृष्टि की है। इसे स्वीकार करना है। सत्य यह है कि हम सब एक हैं। उन्होंने कहा कि सत्य बड़ा कठोर है। सत्य के कारण ही हमारे अंदर संवेदना है। सबके प्रति अपनी संवेदना होती है।

हमारे संदर्भों में सेक्युलर लागू नहीं होता

संवाद में संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे यहां सेक्युलर लागू नहीं होता है। भारत में जब भी भारतीयों का राज्य रहा, यहां राज धर्म के आधार पर ही चला है। पश्चिम में एक देश है जो हमें बार-बार परेशान करता है। लेकिन हम कुछ नहीं करते हैं। दुनिया के संघर्षों के बीच में हम नहीं पड़े है। हमने संकट के समय लोगों की मदद की है। किसी भी विचारधारा की सरकार हमारे देश में रही हो लेकिन हम लोगों ने मदद की है। क्योंकि हमारे जिन में धर्म है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुदेव रानाडे, एक इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में डीन ऑफ फिलॉसफी हो गए, साक्षात्कारी महापुरुष थे। वो कहते थे कि हर धर्म के ऊपर एक और धर्म है। उस रिलिजन को देखकर ये रिलिजन चलेंगे तो ठीक रहेगा। क्योंकि उनके समय अंग्रेजी भाषा में धर्म के लिए कोई समय, कोई शब्द नहीं रहा। आज भी नहीं है। उस समय हमारे देश पर अंग्रेज़ों का राज था और जिनको समझाना थे कि हमारी विरासत श्रेष्ठ है। इसलिए उन्होंने रिलीजन शब्द का इस्तेमाल किया... धर्म रिलिजन के ऊपर है। जब रिलिजन धर्म के अनुसार चलते हैं तो रिलिजन मनुष्य को मुक्ति दिलाते हैं। जब रिलिजन धर्म को छोड़कर चलते हैं तब फिर सांप्रदायिक कलह होते हैं। धर्म के नाम पर सब प्रकार के अत्याचार होते हैं... रिलिजन शब्द का अर्थ अलग है।

जी-20 देशों में सबसे आगे होंगे 'हिंदुस्तानी'

● इस साल सबसे तेज बढ़ सकती है 'भारतीय' अर्थव्यवस्था ● मूडीज ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 से 7 फीसदी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल जी 20 देशों में सबसे तेज बढ़ सकती है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यह अनुमान लगाया है। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। मूडीज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव और संघर्ष के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका असर अनुमान से काफी कम पड़ा है। मजबूत घरेलू खपत, इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में सुधार के संकेत और सर्विस सेक्टर की लगातार मजबूती से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी हुई है। मूडीज का नया

अनुमान देश और दुनिया की दूसरी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के मुकाबले काफी ज्यादा है। इस साल की शुरुआत में दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता के कारण कई एजेंसियों ने भारत की विकास दर का अनुमान घटा दिया था। इसके उलट,मूडीज ने भारत की अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार पर ज्यादा भरोसा जताया है।

घरेलू मांग और सर्विस सेक्टर बने ग्रोथ के मुख्य पिलर- मूडीज के मुताबिक, भारत की इस तेज ग्रोथ की सबसे बड़ी वजह देश में बढ़ती मांग है। लोगों का खर्च बढ़ा है और कंपनियों के निवेश में तेजी आई है। कंपनियों व प्राइवेट सेक्टर की ओर से निवेश के संकेत मिलने लगे हैं।

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई अभी भी चिंता का विषय

मूडीज ने चेतावनी दी है कि भले ही जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया गया है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार बजट घाटा कम करने के अपने लक्ष्य पर कायम है। सरकार इसे पिछले साल के 4.4 फीसदी से घटाकर वित्त वर्ष 2026-27 में 4.3 फीसदी करना चाहती है। हालांकि, अगर दुनिया में ऊर्जा के दाम बढ़ते हैं तो सरकार को लोगों को राहत देने के लिए ज्यादा सब्सिडी देनी पड़ सकती है। इसके अलावा, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च की जरूरत है। ऐसे में सरकार के कर्ज को तेजी से कम करना मुश्किल हो सकता है।

समाहरणालय में करमा पूर्व संध्या समारोह का भव्य आयोजन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: समाहरणालय ब्लॉक-बी सभागार में करमा पूर्व संध्या समारोह का आयोजन किया गया।जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाहरणालय कर्मियों ने पारंपरिक पगड़ी और शॉल भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।कर्मियों द्वारा प्रस्तुत करमा गीत और आकर्षक नृत्य ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया।इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि करमा प्रकृति का पर्व है। यहां की संस्कृति, वेशभूषा, खान-पान, नृत्य और प्रकृति के प्रति लोगों का प्रेम मुझे बहुत प्रभावित करता है। हमें झारखंड के आदिवासी समुदाय से सीखना चाहिए कि वे अपनी परंपराओं को कैसे सहेज कर रखते हैं।इस दौरान उपायुक्त ने स्वयं मांदर बजाकर अपनी खुशी का इजहार किया, जिससे पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त संजय भगत, एसडीओ कुमार रजत, ट्रेनी आईएएस आस्था शरण सहित जिला प्रशासन के सभी पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत मंत्री के श्राद्ध कर्म समारोह में जुटेंगे हजारों लोग, मुख्यमंत्री भी रहेंगे मौजूद

गिरिडीह, एजेंसी। दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का द्वादश श्राद्ध कर्म गुरुवार को है। कार्यक्रम दिवंगत मंत्री के रिसॉर्ट उत्सव उपवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ - साथ सूबे के कई मंत्री, सांसद, विधायक के साथ पक्ष - विपक्ष के कई नेता एवं अधिकारी के साथ - साथ विभिन्न वर्ग के लोगों का जुटान होना तय है।

उम्मीद है कि 30 हजार से अधिक लोग दिवंगत मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर यहां तैयारी पूरी की गई है। कार्यक्रम की तैयारी का जायजा मुख्यमंत्री की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने लिया। यहां जिलाधिकारी रामनिवास यादव के साथ एसपी डॉ बिमल कुमार, डीडीसी स्मृति कुमारी भी मौजूद रहीं। वहीं जेएमएम जिलाध्यक्ष संजय सिंह भी कार्यक्रम की हरेक तैयारी की समीक्षा करते रहे।

यहां श्राद्ध कार्यक्रम में 30 हजार से अधिक लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में प्रसाद लेने के लिए एक साथ पंद्रह सौ लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। जबकि श्रद्धांजलि के लिए भी अलग अलग स्थानों पर व्यवस्था है। बुधवार को हरेक स्थान का निरीक्षण कल्पना सोरेन के साथ डीसी - एसपी ने किया। यहां कल्पना सोरेन ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, आगंतुकों के आवागमन समेत अन्य बिंदुओं की जानकारी ली।

चूंकि इस श्राद्ध कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंड के अलावा अलग - अलग जिले तथा दूसरे प्रदेश से भी लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में शहरी क्षेत्र में सुबह 9 बजे से भारी वाहनों का प्रवेश निषेध कर दिया गया है, जो मध्य रात्रि 12 बजे तक रहेगा। यातायात व्यवस्था एवं वाहनों की पार्किंग से लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसी - एसपी ने सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। बताया गया कि हर रूट में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही साथ हर स्थान पर सुरक्षा को लेकर पुलिस पदाधिकारी के साथ जवानों को तैनात किया गया है।

खराब खाना को लेकर लेस्लीगंज इंजीनियर कॉलेज में छात्रों का हंगामा, फूड सेफ्टी टीम ने सैंपल को किया जब्त

पलामू, एजेंसी। जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बसौरा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में देर रात छात्रों ने हंगामा किया है. छात्रों ने कॉलेज के मेस पर खराब खाना बनाने का आरोप लगाया है. गुरुवार की देर रात कॉलेज के छात्र एकजुट हुए थे. कॉलेज के सामने ही डालटनगंज पांकी रोड के पास छात्र जमा हुए थे और मेस संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे.

मामले की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीएम संजय पांडेय, लेस्लीगंज के अंचल अधिकारी जागो महतो और फूड सेफ्टी की टीम देर रात मौके पर पहुंची. सदर एसडीएम ने छात्रों के साथ बातचीत किया और उनके समस्याओं को सुना. फूड सेफ्टी की टीम ने भोजन के कई सैंपल और सामग्री के कई सैंपल को जब्त किया है.

सदर एसडीएम संजय पांडेय ने बताया कि छात्रों की मांग को सुना गया है और पुरे मामले में कार्रवाई किया जा रहा है. छात्रों ने खराब खाना की शिकायत किया है, फूड सैंपल को जब्त किया गया है. छात्रों द्वारा फूड सेफ्टी की टीम द्वारा सैंपल जब्त होने और पूरे मामले में कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद हंगामा को शांत किया और वापस अपने हॉस्टल में लौटे

छात्रों ने मेस संचालक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. छात्रों का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण खाना उन्हें नहीं दिया जा रहा है और खाना में कई तरह की मिलावट है. छात्रों ने मेस संचालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे. जिस मेस पर आरोप लगा है, उसमें करीब 200 छात्रों का खाना बनता है.

दुर्लभ जन्मजात हृदय बीमारी से जूझ रहे 17 वर्षीय मरीज की पारस एचईसी में सफल सर्जरी

आयुष्मान भारत योजना के तहत हुआ पूरा इलाज

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में दुर्लभ जन्मजात हृदय बीमारी एब्सटीन एनोमली से पीड़ित करीब 17-18 वर्षीय मरीज की जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। मरीज का पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत किया गया। सर्जरी हॉस्पिटल के चीफ कार्डियक सर्जन डॉ कुणाल हजारी की देखरेख में हुई। डॉ कुणाल हजारी ने कहा कि यह मरीज पिछले दो वर्षों से अधिक समय से बीमारी से परेशान था। धनबाद के स्थानीय चिकित्सक की सलाह पर उसे पारस एचईसी हॉस्पिटल लाया गया। जांच और इकोकार्डियोग्राफी में उसके हृदय में गंभीर जन्मजात विकृति का पता चला। हॉस्पिटल पहुंचने के समय मरीज की स्थिति काफी गंभीर थी और वह हार्ट फेलियर की अवस्था में था। डॉक्टरों ने पहले दो से तीन दिनों तक उसे स्थिर किया, इसके बाद सर्जरी का निर्णय लिया। डॉ कुणाल हजारी ने कहा कि सर्जरी के दौरान खराब हृदय वाल्व को बदला गया, हृदय में मौजूद छेद को बंद किया गया और अन्य संरचनात्मक विसंगतियों को भी ठीक किया गया। ऑपरेशन के बाद शुरुआती 72 घंटे मरीज के लिए बेहद महत्वपूर्ण थे। इस दौरान जटिलताओं का जोखिम करीब 8-10 प्रतिशत तक रहता है। हालांकि, वेंटिलेटर हटने और दवाओं की जरूरत कम होने के बाद जोखिम खत्म हो गया। ऑपरेशन के पांच दिन बाद मरीज को घर भेजा गया और दो सप्ताह के बाद उसका टांका काटा गया। हाल में ही उसका दूसरा फॉलो-अप भी किया गया, जिसमें उसकी स्थिति संतोषजनक पाई गई। अब वह स्कूल जाने के साथ हल्के-फुल्के काम भी कर रहा है। डॉ कुणाल हजारी ने कहा कि मरीज को मेटालिक वाल्व के कारण जीवनभर रक्त पतला करने वाली दवा लेनी होगी। दवा की मात्रा सही रखने के लिए नियमित आईएनआर जांच आवश्यक होगी और रिपोर्ट के आधार पर दवा की खुराक समायोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सर्जरी के करीब छह महीने बाद फॉलो-अप जांच में स्थिति सामान्य रही और मरीज अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तरह सामान्य गतिविधियां कर रहा है। वह पढ़ाई के साथ हल्के या भारी काम और तकनीकी कार्य भी कर रहा है। फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि समय पर सही इलाज और विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी से मरीज को हार्ट फेलियर की स्थिति से बाहर लाना संभव हुआ। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी गंभीर बीमारियों का बेहतर इलाज मिल सके, यह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद मरीज का स्वास्थ्य सामान्य है। और उसका दोबारा सामान्य जीवन की ओर लौटना अस्पताल की टीम के लिए बेहद खुशी की बात है।

गरीबों के घर टूटे तो राजद कार्यालय क्यों बचा एचईसी जमीन पर अतिक्रमण हटाने को लेकर देर शाम फिर हंगामा

रांची, एजेंसी। एचईसी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर बुधवार को राजधानी रांची में दिनभर तनाव और अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। प्रशासन की टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कई घरों को ध्वस्त किया। कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों और पुलिस के बीच कई बार तनातनी हुई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। हालांकि, देर शाम कार्रवाई खत्म होने के बाद एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया।

इस बार स्थानीय लोगों के निशाने पर राजद कार्यालय था। लोगों का आरोप था कि एचईसी की जमीन पर अतिक्रमण बताकर गरीब परिवारों के घर तोड़ दिए गए, लेकिन राजद कार्यालय के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना था कि यदि प्रशासन एचईसी की जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा है तो कार्रवाई सभी अतिक्रमण के खिलाफ समान रूप से होनी चाहिए। लोगों ने सवाल उठाया कि गरीबों के घरों को अतिक्रमण के दायरे में बताकर तोड़ा गया, लेकिन राजद कार्यालय को क्यों छोड़ा गया।

इसी मुद्दे को लेकर शाम में बड़ी संख्या में लोग सड़क पर जुट गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन की टीम के सामने अपनी नाराजगी जताई और राजद कार्यालय पर भी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान राजद कार्यालय से जुड़े लोगों और स्थानीय लोगों के बीच भी तीखी बहस हुई। एचईसी इलाके में बुधवार सुबह से ही अतिक्रमण हटाने को लेकर माहौल तनावपूर्ण रहा। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। घरों पर बुलडोजर चलता देख स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ गया। कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए जेसीबी को घेरने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और भीड़ के बीच धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति बनी। पुलिस ने भीड़ को हटाने का प्रयास किया और स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई लोग घायल भी हुए।

दो हजार से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित एमडीआर वापस लेने की मांग

दैनिक अलग पहचान, डेस्क, संवाददाता, रांची /

रांचीः दो हजार से अधिक के चुनिंदा यूपीआई व्यापारी लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर को वापस लेने की मांग को लेकर झारखंड चैंबर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेजा है। चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने कहा कि व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर व्यवस्था ने यूपीआई को देशभर में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि प्रस्तावित एमडीआर से खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारियों, वितरकों, एमएसएमई और सेवा क्षेत्र के प्रतिष्ठानों की परिचालन लागत बढ़ सकती है। बड़ी संख्या में डिजिटल लेन-देन करने वाले कारोबारियों पर इसका संचयी आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है। कर्मचारियों, परिवहन, बिजली, किराया और अन्य खर्चों में लगातार वृद्धि के बीच डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त लागत व्यापारियों के लिए आर्थिक भार बढ़ाएगी।झारखंड चैंबर ने सरकार से प्रस्तावित एमडीआर वापस लेने और व्यापारियों के लिए मौजूदा शून्य-एमडीआर व्यवस्था जारी रखने का आग्रह किया। साथ ही एमएसएमई और खुदरा व्यापारियों पर इसके संभावित प्रभाव का उद्योग संगठनों के साथ परामर्श कर विस्तृत आकलन करने की मांग की गई है। इस संबंध में आरबीआई गवर्नर को भी पत्र भेजा गया है।इस मुद्दे पर चैंबर भवन में हुई बैठक में अध्यक्ष तुलसी पटेल, उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय व रोहित पोद्दार, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव अमित शर्मा और सदस्य आलोक कुमार उपस्थित थे।

दुमका एसकेएमयू के पास भूख हड़ताल पर बैठे एबीवीपी के दो सदस्यों की बिगड़ी तबीयत

दुमका, एजेंसी। विभिन्न मांगों को लेकर दुमका के सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के पास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दो सदस्यों की भूख हड़ताल जारी है. आज शुक्रवार को हंगर स्ट्राइक के चौथे दिन दोनों छात्रों की हालत बिगड़ गई. जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक मेडिकल टीम को मौके पर भेजा गया.

दुमका सदर प्रखंड के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मकसूद आलम ने भूख हड़ताल पर बैठे दोनों छात्र सूरज कुमार और हिमांशु कुमार के स्वास्थ्य की जांच की. डॉक्टर ने बताया कि दोनों की स्थिति अच्छी नहीं है. दोनों का ब्लड प्रेशर और ग्लूकोज लेवल लगातार कम होता जा रहा है. भूख हड़ताल में बैठे दोनों छात्र के अलावा कई ऐसे भी छात्र हैं जो इन्हें समर्थन देने धरना स्थल पर बैठे हुए हैं. उनमें से एक छात्र मनीष कुमार ने बताया कि अभी तक एसकेएम विश्वविद्यालय और प्रशासन का कोई भी अधिकारी हमारी सुध लेने नहीं आए हैं. जबकि हमारी मांगें बिल्कुल जायज हैं. छात्रों की प्रमुख मांग यह है

मौके पर पहुंची मेडिकल टीम

कि विश्वविद्यालय की प्रभारी परीक्षा नियंत्रक रीना नीलिमा लकड़ा को हटाया जाए. छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय में परीक्षा विभाग में परीक्षा संचालन, परिणाम प्रकाशन, प्रमाण पत्र निर्गत करने में, परीक्षा केंद्र निर्धारण और पुनर्मूल्यांकन कार्य में अनियमितता बरती जा रही है. इसकी जांच किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय कमेटी या सक्षम अधिकारी से कराई जाए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए. इसके साथ एसकेएमयू में रिजल्ट प्रकाशन, सर्टिफिकेट प्रिंट वगैरह का काम करने वाली एनसीसीएफ नामक एजेंसी को हटाया जाए, विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनने के लिए एक शिकायत समाधान केंद्र बनाया जाए, विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत जितने भी महाविद्यालय हैं वहां जनरल और ओबीसी कैटेगरी के छात्रावास का निर्माण यथाशीघ्र कराया जाए, वर्तमान में चल रहे छात्रावासों में विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय, भोजन, सुरक्षा के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए. विश्वविद्यालय में पुस्तकालय भवन का काम शीघ्र पूरा कराया जाए और नवनिर्मित भवन को विद्यार्थियों के उपयोग में लाने के पूर्व उसकी तकनीकी गुणवत्ता और निर्माण कार्य की जांच सक्षम एजेंसी से कराई जाए, विश्वविद्यालय में पढ़ाई और परीक्षा प्रक्रिया निर्धारित समय सारणी में कराई जाए, विश्वविद्यालय में एलएलबी की पढ़ाई शुरू कराई जाए.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने गुमला जिले के सिसई, गुमला एवं बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के तहत मतदाताओं को प्राप्त हो रहे नोटिस के सुनवाई एवं दस्तावेजों के सत्यापन का किया निरीक्षण

जनजातीय समूह के मतदाताओं के दस्तावेज संबंधी विवरण सरकारी अभिलेखों में उपलब्ध, पदाधिकारी इन अभिलेखों का उपयोग कर मतदाताओं को दें हरसंभव सहयोग-के. रवि कुमार

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। गुमला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शुक्रवार को गुमला जिले के सिसई, गुमला एवं बिशुनपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चल रहे दावा-आपत्ति एवं सुनवाई की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को दस्तावेज सत्यापन हेतु प्राप्त नोटिस एवं उसके सुनवाई हेतु समर्पित किए जाने वाले दस्तावेजों के संबंधित निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों द्वारा सत्यापन की प्रक्रिया तथा मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को जीरो एरर के लक्ष्य के अनुरूप तैयार किया गया है, इसमें प्रत्येक पदाधिकारियों के स्तर पर वेरिफिकेशन एवं जवाबदेही तय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बन रहे एसआईआर के दस्तावेज को भविष्य के लिए परमानेंट डाक्यूमेंट के रूप में संरक्षित रखना है। भविष्य में इसकी महत्वता को देखते हुए पदाधिकारियों को एसआईआर द्वारा निर्मित मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित तैयार करना अनिवार्य है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न क्षेत्रों में जनजातीय समूह के मतदाताओं से भी मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं एसआईआर से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनजातीय समूह के मतदाताओं के दस्तावेज संबंधी विवरण विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं विभागों के अभिलेखों में उपलब्ध हैं। ऐसे में मतदाताओं के उपलब्ध सरकारी अभिलेखों का नियमानुसार उपयोग करते हुए उनके दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया को सुगम बनाया जाए।

हंटरगंज में मुर्गी फार्म से चोरी का खुलासा, दो चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक के पार्ट्स पानी भरे गड्ढे से बरामद

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

चतरा/हंटरगंज : हंटरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बिन्दयाही टोला सागासोत में मुर्गी फार्म से हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।दिनांक 10 अप्रैल को सहेंद्र यादव के फार्म से मोटरसाइकिल, इन्वर्टर-बैटरी, कांटा मशीन, 3 मोबाइल और मुर्गा चोरी हो गया था। इस मामले में थाना कांड संख्या 49/26 दर्ज किया गया था।तकनीकी साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने दो युवकों दीपक कुमार (22 वर्ष) और नागेंद्र कुमार भुईयां (20 वर्ष), दोनों निवासी जाबादोहर को गिरफ्तार किया है।पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उनकी निशानदेही पर चोरी की ड्ढद्धड्ढह्व मोबाइल और छ्व।13ञ्ज-6088 नंबर की स्प्लेंडर बाइक के पार्ट्स व इंजन को ग्राम दुन्दु में बंद माइंस के पानी भरे गड्ढे से बरामद किया गया है। पुलिस ने दोनों के पास से एक ह्वश्रंह्व और एक ऋश्वष्टस्ठ्ठ मोबाइल भी जब्त किया है। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक विपिन कुमार, थाना प्रभारी संदीप कुमार, स्ढ्ढ सुनील कुमार दुबे सहित तकनीकी टीम शामिल थी।

जनता दरबार में सुनीं आमजनों की समस्याएं

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार शुक्रवार को समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित मामलों के त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जनता दरबार में अनुकंपा के आधार पर नियोजन, मुआवजा राशि का भुगतान, अवैध रूप से अबुआ आवास निर्माण, गलत जन्म तिथि दर्ज होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र के निरस्तीकरण, मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने तथा मानदेय का भुगतान नहीं होने से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं।

श्याम प्रभु की भव्य शोभा यात्रा में झूमे श्रद्धालु

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांचीः श्री श्याम मंडल, रांची के 59वें वार्षिक श्री श्याम महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर से श्री श्याम प्रभु की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। अपराह्न 4 बजे शुरू हुई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। विभिन्न देवी-देवताओं के जयकारों के बैनर, पारंपरिक वाद्य यंत्रों और बैंड की धुन के बीच श्रीकृष्ण लीला पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।श्री श्याम प्रभु दिव्य रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भजनों पर झूमते-नाचते नजर आए। 'इतनी कृपा सांवरे बनाए रखना', 'बड़ी दूर से चलकर आया हूं', 'मांगने की आदत जाती नहीं', 'जन्म जन्म का साथ है' और 'श्याम तेरे ही भरोसे मेरा परिवार' जैसे भजनों से वातावरण भक्तिमय रहा।नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने अपने घरों व प्रतिष्ठानों के सामने दिव्य रथ की आरती कर पुष्पवर्षा से स्वागत किया। मंडल के सदस्यों ने पूरे मार्ग में प्रसाद का वितरण किया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'आइडियाथॉन 2026' का आयोजन, उद्यमिता प्रकोष्ठ का शुभारंभ

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में आयोजित 'आइडियाथॉन 2026' में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान के लिए करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, विचारों और नवाचार की क्षमता के माध्यम से समाज की आवश्यकताओं को समझते हुए भविष्य के लिए समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. वर्मा ने कहा कि शिक्षा को पारंपरिक कक्षा-कक्ष तक सीमित रखने के बजाय उसे व्यवहारिक एवं प्रयोग आधारित बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समस्याओं को केवल चुनौती के रूप में न देखें, बल्कि उनमें नए अवसर तलाशें। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े परिवर्तन की शुरुआत एक विचार से होती है और जब विचार को नवाचार, परिश्रम एवं सही दिशा मिलती है, तो वह समाज में सार्थक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। 'कन्वर्टिंग आइडियाज़ इनटू इम्पैक्ट' विषय पर आयोजित आइडियाथॉन 2026 का आयोजन शुक्रवार को विवि परिसर स्थित जी.डी. बिरला सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की सामाजिक एवं समकालीन चुनौतियों की पहचान करने, उनके लिए नवाचार आधारित समाधान विकसित करने तथा अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण विश्वविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ का शुभारंभ रहा। उद्यमिता प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार एवं नए उद्यमों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा उनके विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। आइडियाथॉन के साथ इसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्यमिता परिवेश को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नवाचार एवं उद्यमिता से जुड़े अवसरों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी नए विचारों को आगे बढ़ाकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसा शैक्षणिक वातावरण विकसित किया जाना आवश्यक है, जहाँ विद्यार्थी रचनात्मक सोच, नवाचार और अनुप्रयोग आधारित शिक्षा के माध्यम से अपनी क्षमता का विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ज्ञान को वास्तविक जीवन की समस्याओं से जोड़कर समाधान विकसित करने के अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम में वाणिज्य संकाय के डीन एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. संदीप कुमार ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं रूपरेखा से उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने विचारों को विकसित करने और उन्हें सार्थक एवं व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तित करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। कार्यक्रम में फ्लोक्सस शिक्षा-प्रौद्योगिकी नव उद्यम के संस्थापक एवं बीआईटी मेसरा के पूर्व छात्र हृतिक शुभम तथा ए-स्क्वेयर्ड के निदेशक एवं आईआईएम रांची के पूर्व छात्र प्रवीण शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। दोनों वक्ताओं ने अपने उद्यमशील एवं व्यावसायिक अनुभवों को साझा करते हुए अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। हृतिक शुभम ने अपनी उद्यमशील यात्रा एवं बदलते नव उद्यम परिवेश से जुड़े अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों कोघ अपने विचारों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखने तथा उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रवीण शर्मा ने कौशल विकास, नवाचार एवं समकालीन अवसरों के संदर्भ में अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को नए विचारों के साथ आगे बढ़ने तथा उन्हें क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता तथा नवाचारपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। विचार-प्रस्तुतीकरण में छह समानांतर सत्रों में प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।आइडियाथॉन के लिए कुल 77 टीमों ने पंजीकरण कराया। विद्यार्थियों ने सामाजिक एवं समकालीन चुनौतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें सामाजिक मुद्दे, पर्यावरण एवं स्थिरता, प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण प्रमुख रहे। आइडियाथॉन का आयोजन 'सोचें ? नवाचार करें ? सृजन करें ? प्रभाव उत्पन्न करें' की अवधारणा पर किया गया। प्रतिभागियों को समस्या की पहचान से लेकर समाधान विकसित करने और अपने प्रस्ताव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की प्रक्रिया से गुजरना था। प्रत्येक टीम को अपने विचार को अधिकतम चार स्लाइड की प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत करना था। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः ?5,000, ?3,000 एवं ?2,000 की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

देवघर में मवेशियों पर लम्पी का कहर! पशुपालकों की बढ़ी चिंता, बोले- गाय बीमार हुई तो परिवार की आमदनी पर संकट

देवघर, एजेंसी। जिले के कई प्रखंडों में इन दिनों पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज के मामले सामने आने से पशुपालक परेशान हैं। सारठ, पालोजोरी, सोनारायठाढ़ी और देवघर प्रखंड के कई पशुपालकों का कहना है कि उनके पशु इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं।

खासकर गाय और बछड़ों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने के बाद पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक नुकसान की भी चिंता सताने लगी है।

पशुपालकों के मुताबिक, शुरुआत में गायों के शरीर पर चकत्ते और गांठ जैसे लक्षण दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने स्थानीय स्तर पर पशु चिकित्सकों से संपर्क कर इलाज कराने का प्रयास किया, लेकिन कई पशुओं में बीमारी फैलती चली गई। कुछ पशुपालकों का कहना है कि अब स्थिति ऐसी हो गई है कि उन्हें अपने पशुओं की जान को लेकर भी चिंता सताने लगी है।

पशुपालकों का कहना है कि उनके परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें मुख्य रूप से पशुपालन और दूध की बिक्री से पूरी होती हैं। ऐसे में जब दूध देने वाली गाय ही बीमार पड़ जाए तो परिवार की आय सीधे प्रभावित होती है। बीमारी बढ़ने की स्थिति में इलाज का खर्च और दूध उत्पादन में कमी, दोनों का असर पशुपालकों पर पड़ रहा है।

लम्पी स्किन डिजीज के बढ़ते मामलों को देखते हुए पशुपालक, सरकार और पशुपालन विभाग से बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाने और जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि समय रहते टीकाकरण और उपचार की व्यवस्था होने से पशुओं को बीमारी की चपेट में आने से बचाया जा सकता है।

पशुपालकों की चिंता को लेकर जिला पशुपालन पदाधिकारी धनंजय कुमार ने बताया कि लम्पी स्किन डिजीज एक चर्म रोग है, जो बारिश के बाद पशुओं में फैलता है। उन्होंने माना कि इस वर्ष जिले में बीमारी का प्रकोप अधिक दिखाई दे रहा है, जिससे पशुपालक चिंतित हैं।

उन्होंने बताया कि पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले के विभिन्न पशु अस्पतालों को लम्पी स्किन डिजीज के खिलाफ व्यापक स्तर पर टीकाकरण पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

जिला पशुपालन पदाधिकारी ने पशुपालकों को सलाह दी कि जो पशु पहले से लम्पी स्किन डिजीज से संक्रमित हैं, उन्हें तत्काल टीका नहीं लगाया जाए। साथ ही, बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक देने से भी बचने की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में पशुपालक बीमार पशुओं को एंटीबायोटिक दे देते हैं। इसलिए बीमारी की स्थिति में पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही उपचार किया जाना चाहिए।

धनंजय कुमार ने बताया कि लम्पी स्किन डिजीज से बचाव में पशुओं और उनके रहने वाले स्थान की साफ-सफाई बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पशुपालकों से गोहाल की नियमित सफाई रखने और संक्रमण फैलाने वाले कीटों से बचाव के लिए जरूरी स्वच्छता उपाय अपनाने की अपील की।

उन्होंने यह भी बताया कि संक्रमित पशुओं की सफाई के लिए नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर, पानी को ठंडा करने के बाद उससे पशुओं की सफाई की जा सकती है। गोहाल में भी नीम के पानी का छिड़काव किया जा सकता है।

पशुपालन विभाग ने दावा किया है कि जिले के सभी प्रखंड स्तरीय पशु अस्पतालों में लम्पी स्किन डिजीज से संबंधित दवाएं उपलब्ध हैं। विभाग ने पशुपालकों से अपील की है कि पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर वे देरी न करें और तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करें। पशुपालक अपनी समस्या को लेकर जिला स्तर के टोल-फ्री नंबर या 1962 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

जमशेदपुर में स्कूली वैन डिवाइडर से टकराई, कई बच्चे घायल, दो की हालत गंभीर

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर के टेल्को थाना क्षेत्र में स्कूली बच्चों से भारी वैन डिवाइडर से टकरा जाने से वैन में सवार कई बच्चे घायल हो गए हैं. टेल्को थाना के पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल बच्चों का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है. शुक्रवार सुबह टेल्को स्टेडियम-भुवनेश्वरी मंदिर रोड के पास स्कूल बच्चों से भरी वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है. इस घटना से वैन में सवार 15 से 17 बच्चे घायल हो गए हैं. घटना को लेकर बताया जा रहा है की एक निजी स्कूल वैन टेल्को स्टेडियम की ओर से बच्चों को छोड़ने के लिए आ रही थी. इस दौरान बच्चों से भरी वैन सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकराते हुए डिवाइडर पर चढ़ गया. डिवाइडर से स्कूल वैन की टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन का चैंबर तक फट गया. इधर टक्कर की आवाज धमाके के जैसा हुआ और वैन में सवार स्कूली बच्चों की जोर से चीख चीत्कार से स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई.

संक्षिप्त समाचार

लोहरदगा में संदेह के घेरे में 74 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लाखों खर्च फिर भी इलाज के लिए भटक रहे ग्रामीण

लोहरदगा, एजेंसी। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को गांव स्तर पर बेहतर और मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 74 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं. जिले की 66 पंचायतों के 353 गांवों की आबादी को इन स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा सुविधा देने का दावा किया जाता है. इन केंद्रों के संचालन, मरम्मत और सामग्री क्रय के नाम पर हर साल लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई जगहों पर ग्रामीणों को इन स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित लाभ नहीं मिल पा रहा है.

लोहरदगा जिले में कुल 74 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं यानी 66 पंचायतों की तुलना में इनकी संख्या भी अधिक है. सरकार का मकसद साफ है कि ग्रामीणों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय तक ना जाना पड़े और गांव में ही प्राथमिक उपचार उपलब्ध हो सके, लेकिन कई ग्रामीण क्षेत्रों से आयुष्मान आरोग्य मंदिर के नियमित रूप से नहीं खुलने की शिकायत सामने आती रहती है. मरीज सर्दी, खांसी, बुखार और सामान्य बीमारियों की दवा लेने के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते हैं, लेकिन केंद्र बंद मिलने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है. कई बार मरीजों को दोबारा और कई बार स्वास्थ्य केंद्र का चक्कर लगाना पड़ता है.

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर हर साल लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं. कभी भवन की मरम्मत के नाम पर राशि खर्च होती है तो कभी सामग्री क्रय के नाम पर. कई बार एक ही साल में अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से भी स्वास्थ्य केंद्रों पर राशि खर्च किए जाने की बात सामने आती है. बावजूद इसके यदि ग्रामीणों को निर्धारित समय पर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलती है तो इन खर्चों की उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है. ग्रामीणों के लिए बनाए गए स्वास्थ्य केंद्र यदि नियमित रूप से संचालित नहीं होंगे तो करोड़ों रुपये की स्वास्थ्य योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मुश्किल होगा.

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामान्यतः एक सीएचओ और एक एएनएम की तैनाती होती है. स्वास्थ्य केंद्र बंद मिलने पर कई बार यह बताया जाता है कि दोनों कर्मचारियों को प्रशिक्षण या बैठक के लिए मुख्यालय बुलाया गया है. सवाल यह है कि यदि किसी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तैनात सीएचओ और एएनएम दोनों को एक साथ बैठक या प्रशिक्षण के लिए मुख्यालय बुला लिया जाए और इसके कारण पूरा स्वास्थ्य केंद्र बंद हो जाए, तो उस दौरान गांव में आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा कौन उपलब्ध कराएगा.

छह दुकानों के ताले काटे, हाथ लगे 400 रुपये और कुछ सिक्के, एफएसएल ने इकट्ठा किए फिंगर प्रिंट्स

रांची, एजेंसी। धुर्वा इलाके में मंगलवार की देर रात चोरों ने एक साथ छह दुकानों को निशाना बनाया। बड़ी रकम मिलने की उम्मीद में चोरों ने दुकानों के ताले काटने में काफी मेहनत की, लेकिन जब चोरी का सामान और नकदी हाथ लगी तो उनकी सारी मेहनत बेकार साबित हो गई। चोर तीन दुकानों के अंदर प्रवेश करने में सफल रहे। इनमें एक मेडिकल स्टोर और दो किराना दुकान शामिल है। हालांकि, तीनों दुकानों से चोरों के हाथ महज 400 रुपये नकद और 10 व 20 रुपये के कुछ सिक्के ही लगे। घटना का पता बुधवार सुबह उस समय चला, जब दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। दुकानदारों ने देखा कि कई दुकानों के ताले टूटे हुए हैं, जबकि कुछ दुकानों के ताले तोड़ने का प्रयास किया गया है। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने तत्काल इसकी जानकारी धुर्वा थाना पुलिस को दी। दुकानदारों ने पुलिस को बताया कि इलाके में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इन्हीं घटनाओं को देखते हुए अब अधिकांश दुकानदार रात में दुकान के अंदर ज्यादा नकदी नहीं रखते हैं। दुकान बंद करने से पहले नकदी घर ले जाने या सुरक्षित स्थान पर रखने की वजह से चोरों को इस बार बड़ी रकम नहीं मिल सकी।

झारखंड के स्कूली खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बना रहे पहचान, खेलो झारखंड ने दिया मंच

रांची, एजेंसी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से स्कूली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित खेल गतिविधियों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। एक ओर राज्य के दो स्कूली जूडो खिलाड़ी राष्ट्रीय चयन ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए रायपुर रवाना हुए हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जूडो में मोहन कुमार पांडेय और अनुष्का सिंह का चयन आईएसएफ जिम्नैसियाड-2026 के भारतीय दल के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल के लिए हुआ है। दोनों खिलाड़ियों का चयन वर्ष 2025-26 के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। रायपुर में 17 और 18 सितंबर को होने वाले चयन ट्रायल में मोहन कुमार पांडेय 60 किलोग्राम और अनुष्का सिंह 63 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगी। चयन होने पर दोनों अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। जूडो टीम मैनेजर अनिश राय के नेतृत्व में दोनों खिलाड़ी बुधवार को हटिया रेलवे स्टेशन से रायपुर के लिए रवाना हुए। इन खिलाड़ियों ने 'खेलो झारखंड' के जरिए अपने खेल कौशल को निखारते हुए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच बनाई है।

इधर, राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 सितंबर तक रांची में होगा। प्रतियोगिता मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू में आयोजित की जाएगी। इसमें राज्य के सभी 24 जिलों से जिला स्तरीय विजेता टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक और अंडर-17 बालिका वर्ग में कुल 1,152 खिलाड़ी भाग लेंगे। टीमों की रिपोर्टिंग 18 सितंबर को दोपहर 12 बजे तक मोरहाबादी स्थित एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में होगी। इस दौरान खिलाड़ियों के दस्तावेजों का सत्यापन और आवश्यक शारीरिक जांच की जाएगी। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग ने कहा कि प्रतियोगिता को लेकर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के लिए भोजन, आवास, परिवहन और चिकित्सा समेत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के तीनों वर्गों के विजेता राष्ट्रीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खेलो झारखंड' के माध्यम से स्कूल स्तर के खिलाड़ियों को जिला और राज्य के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है। जूडो में राष्ट्रीय चयन ट्रायल और हॉकी में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, दोनों ही झारखंड के स्कूली खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है।

दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के श्राद्ध कार्यक्रम में जुटी भीड़, सीएम हेमंत सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह, एजेंसी। दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के श्राद्ध का द्वादश कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित हुआ. दिवंगत मंत्री के आवास में कार्यक्रम आयोजित किया गया. यहां दिवंगत मंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिली.

श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पूरे घटनाक्रम के बारे में सभी को पता है. पूरे रीति रिवाज के साथ बड़े भाई सुदिव्य कुमार सोनू को हम लोगों ने अंतिम विदाई दी है. खास तौर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई करना वह बहुत कठिन है. मंत्री रहते हुए उनकी सक्रियता किसी से भी छिपी नहीं है.

मैं यही कह सकता हूं कि ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता समाज और राज्य के प्रति मजबूती से अपने कंधे पर उठाने लिए हौसला और जूनून चाहिए. दिवंगत में वह सारे गुण थे. एक लंबे समय के बाद उन्होंने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में दिशा देने का भी काम किया. अभी भी मन मानने को तैयार नहीं हैं कि वे हमारे बीच नहीं हैं. फिर भी विधि के विधान को न हम टाल सकते हैं और न आप टाल सकते हैं. मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विधान चक्र के साथ हमें भी आगे चलना है और निश्चित रूप से सदैव पार्टी इनके लिए ऋणी के रूप में रहेगी. हम सभी कई सारे लोग यहां मौजूद हैं, जो दलगत भाव से ऊपर उठकर यहां उपस्थित हुए हैं. जी मैंने देखा, मैंने सुना वे कहीं न कहीं एक ऐसे व्यक्तित्व के धनी रहे हैं. उन्होंने जहां एक पार्टी के साथ-साथ सभी वर्ग को उनकी समस्या से लेकर और अपनी पहचान को लेकर आगे बढ़ते रहे. आज इस दुख की घड़ी में हम सभी लोग उनके समस्त परिजनों के साथ हैं और आगे भी रहेंगे. हम सब लोग प्रार्थना करें, इन्हें भगवान अपने चरणों में स्थान दें और वे हमारे बीच नहीं रहते हुए भी एक मिसाल के तौर पर कायम रहे.

श्राद्ध कर्म के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री राधा कृष्णा किशोर, मंत्री दीपिका पांडेय, इरफान अंसारी, मंत्री हफीजुल अंसारी, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ मांजी मौजूद रहे, जहां सभी ने दिवंगत मंत्री को श्रद्धांजलि दी.

100 करोड़ के मानहानि मामले में एम एस धोनी को नोटिस, 9 अक्टूबर तक देना होगा जवाब, जानें क्या है पूरा मामला

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास उच्च न्यायालय ने गुरुवार, 17 सितंबर 2026 को पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जी. संपत कुमार की तीन नई याचिकाओं पर 9 अक्टूबर 2026 तक अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है. न्यायमूर्ति के. गोविंदराजन थिलाकवाड़ी ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए धोनी को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया और अगली सुनवाई तब तक के लिए स्थगित कर दी. रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी संपत कुमार ने एक निजी टेलीविजन डिबेट शो में आरोप लगाया था कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी 2013 की आईपीएल सीरीज के दौरान उपजे सट्टेबाजी विवाद में शामिल थे. इसके बाद, एमएस धोनी ने 2014 में मद्रास हाई कोर्ट में संपत कुमार के खिलाफ एक मामला दायर किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि इससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और उन्होंने 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की थी. अदालत ने इस लंबे समय से चल रहे मामले से जुड़े सीडी दस्तावेजों को लिखित रूप में बदलने का आदेश पहले ही दे दिया था. इसी के तहत, मद्रास उच्च न्यायालय ने पिछले साल फरवरी में धोनी को दस्तावेजों के अनुवाद और टाइपिंग की फीस के रूप में 10 लाख रुपये भुगतान करने का आदेश दिया था. इस स्थिति के बीच, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी संपत कुमार की ओर से मद्रास उच्च न्यायालय में 3 मुख्य हस्तक्षेप याचिकाएं दायर की गईं.

सितंबर के अंत तक शुरू होगा फैटी लिवर मुक्त रांची अभियान

एक वर्ष में 1.20 लाख लोगों की जांच का है लक्ष्य

रांची, एजेंसी। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की पहल पर अब जल्द 'फैटी लिवर मुक्त रांची अभियान' की शुरुआत होने वाली है। इसकी जानकारी स्वयं संजय सेठ ने सदर अस्पताल में संवाददाता सम्मेलन कर दी। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने बताया कि रांची में फैटी लिवर रोग की समय रहते पहचान, रोकथाम व उपचार के उद्देश्य से 'फैटी लिवर मुक्त रांची' अभियान की शुरुआत इस माह के अंत तक की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत' के संकल्प से प्रेरित इस अभियान को देश में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रांची में संचालित किया जा रहा है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। स्वस्थ युवा शक्ति के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ फैटी लिवर जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारी की समय पर पहचान, रोकथाम व उपचार के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है।

नई दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस चार विशेष वाहनों के माध्यम से योग्य चिकित्सकों की देखरेख व मार्गदर्शन में अल्कोहलिक व नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर की जांच व आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुंचाई जाएगी। अभियान के लिए दो अत्याधुनिक वाहन रांची पहुंच चुके हैं, जबकि दो अन्य वाहन जल्द उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से एक वर्ष में लगभग 1,20,000 (एक लाख बीस हजार) लोगों की जांच करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही लोगों में फैटी लीवर के जोखिम की पहचान व समय पर आवश्यक चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने पर विशेष

जोर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सहिया दीदी(आशा) और एएनएम के माध्यम से प्रारंभिक जांच व एबीसीडी जोखिम स्कोर के माध्यम से उच्च जोखिम वाले लोगों की पहचान की जाएगी। चिन्हित लोगों को आवश्यकता के अनुसार आगे की जांच, विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श व उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

अभियान के तहत रांची जिले के सभी प्रखंडों व अनुमंडलीय अस्पतालों में लगभग 1000 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, चिन्हित 500 स्थानों पर मोबाइल मेडिकल वाहनों के माध्यम से भ्रमण कर लोगों की जांच व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त 100 से अधिक स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ते हुए फैटी लिवर की रोकथाम, स्वस्थ खान-पान एवं बेहतर जीवनशैली को लेकर जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल फैटी लिवर की पहचान व उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को बीमारी के कारणों और इससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। लोगों को संतुलित खान-पान, नियमित शारीरिक गतिविधि व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि फैटी लिवर सहित जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियों की रोकथाम की जा सके।

वहीं इस मौके पर रांची सिविल सर्जन डॉ। अमरेंद्र प्रसाद ने बताया कि फैटी लिवर का संबंध गलत खान-पान एवं अस्वस्थ जीवनशैली से हो सकता है। उन्होंने कहा कि बीमारी की शुरुआती अवस्था में पहचान होने और समय पर आवश्यक उपचार एवं जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है, जबकि बीमारी के गंभीर अवस्था में पहुंचने पर उपचार अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तीन संस्थानों को बनाएगा नॉलेज पार्टनर

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अब जलापूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता और नियमित संचालन को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगा। शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कार्यालय में सचिव अबु इमरान की अध्यक्षता में विभागीय संचालन एवं रख-रखाव नीति को लेकर बैठक हुई। बैठक में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, निर्मला कॉलेज रांची और रांची विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों के साथ विभाग को नॉलेज पार्टनर के रूप में तकनीकी सहयोग देने पर चर्चा हुई। सचिव अबु इमरान ने कहा कि अकादमिक संस्थानों के जुड़ने से योजनाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और लोगों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही तीनों संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा। बैठक में पाइपलाइन लीकेज का पता लगाने, जलापूर्ति योजनाओं की डिजाइन और संचालन-रखरखाव से जुड़ी तकनीकी समस्याओं पर सहयोग, जल में आयरन, फ्लोराइड और टीडीएस की समस्या पर संयुक्त शोध तथा धनबाद-झरिया जैसे खनन क्षेत्रों में जल स्रोतों पर पड़ रहे पर्यावरणीय प्रभाव और उनकी दीर्घकालीन स्थिरता पर कार्ययोजना बनाने पर भी चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

भागलपुर के कतरनी चावल की विदेशों तक खुशबू, अमेरिका-कनाडा से आ रहे ऑर्डर

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर की पहचान सिर्फ सिल्क और ऐतिहासिक धरोहरों तक सीमित नहीं है. यहां का कतरनी चावल भी अपनी खास खुशबू, स्वाद और पकने के बाद की नरमी के लिए अलग पहचान रखता है. इसी पारंपरिक कृषि उपज को स्थानीय बाजार से निकालकर देश-विदेश तक पहुंचाने की कोशिश में भागलपुर के सुबोध कुमार जुटे हैं. करीब दो दशक पहले शुरू हुआ उनका यह प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच चुका है.

सुबोध कुमार ने 'एग्रो हेरिटेज' के जरिए कतरनी चावल को बाजार उपलब्ध कराने और इससे जुड़े किसानों को बेहतर अवसर देने की पहल की है. उनके मुताबिक, पिछले करीब 20 वर्षों में 800 से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस नेटवर्क से जोड़ा गया है. किसानों को उत्पादन से जुड़ी जानकारी और जरूरी सुझाव देने के साथ-साथ उनकी उपज को बाजार तक पहुंचाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है.

''हमारा उद्देश्य सिर्फ कतरनी चावल की बिक्री करना नहीं, बल्कि इसकी पारंपरिक पहचान को बनाए रखते हुए इसे बड़े बाजार तक पहुंचाना है. हम चाहते हैं कि भागलपुर की यह कृषि विरासत राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाए सुबोध कुमार के मुताबिक, 'एग्रो हेरिटेज' की शुरुआत वर्ष 2003 में हुई थी. उस समय करीब 5 एकड़ जमीन में कतरनी धान की खेती से काम शुरू किया गया. शुरुआती उद्देश्य भागलपुर की पारंपरिक कृषि उपज, खासकर कतरनी चावल, को व्यवस्थित तरीके से बाजार उपलब्ध कराना और इसकी पहचान को आगे बढ़ाना था. आज भागलपुर में 700 एकड़ में कतरनी की फसल लग रही है जिससे 11000 टन चावल का उत्पादन हो रहा है. इसमें से ज्यादातर देश में ही खपत हो रहा है.

समय के साथ इस पहल का दायरा बढ़ता गया. वर्ष 2013 तक करीब 15 एकड़ में कतरनी की खेती का विस्तार किया गया. इसके बाद उत्पादन के साथ-साथ बाजार, प्रोसेसिंग और बिक्री पर भी ध्यान केंद्रित किया गया. सुबोध बताते हैं कि कतरनी केवल धान की एक सामान्य किस्म नहीं है, बल्कि भागलपुर और आसपास के इलाकों की कृषि परंपरा से जुड़ी पहचान है. इसकी प्राकृतिक खुशबू, स्वाद और पकने के बाद की नरमी इसे दूसरे चावलों से अलग बनाती है.

पटना हाइकोर्ट ने बिहार स्वास्थ्य विभाग को दिया करारा झटका, 3 महीने में बहाली का आदेश

पटना, एजेंसी। पटना हाइकोर्ट ने बिहार स्वास्थ्य विभाग को करारा झटका देते हुए दो सरकारी चिकित्सा अधिकारियों (मेडिकल ऑफिसर्स) के सेवा से बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गवाहों से पूछताछ किए बिना और केवल कागजी पत्राचार के आधार पर एकतरफा कार्रवाई करना कानून की नजर में बिल्कुल भी टिकाऊ नहीं है। डॉ। अशोक कुमार प्रसाद और डॉ। मो। इशरत हुसैन की रिट याचिकाओं पर सभी सम्बन्धित पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस कुमार मनीष की एकल पीठ ने निर्णय सुनाया। कोर्ट ने कहा कि बिहार सेवा संहिता के नियम 76 के तहत बिना उचित विभागीय जांच के लंबे समय से अनधिकृत अनुपस्थिति के नाम पर बर्खास्तगी अवैध है। हाईकोर्ट ने विभाग के दोनों बर्खास्तगी ज्ञापनों (मेमो नंबर 166(9) दिनांक 09।02।2017 और मेमो नंबर 1145(9) दिनांक 31।10।2016 को पूरी तरह से रद्द करते हुए दोनों डॉक्टरों की तत्काल बहाली का आदेश दिया। कोर्ट ने पाया कि विभाग ने आरोपों को साबित करने के लिए किसी भी मौखिक गवाह का परीक्षण नहीं कराया, जो कि बिहार सीसीए नियमावली रुल के नियम 17(14) का सीधा उल्लंघन है। बिना तामील के एकतरफा कार्रवाई की गयी। डाक विभाग की रिपोर्ट से स्पष्ट था कि कारण बताओ नोटिस डॉक्टरों को मिले ही नहीं थे। डाक टिप्पणी थी कि सीवान में रहते हैं। इसके बावजूद विभाग ने बिना समन दिए एकतरफा जांच रिपोर्ट बना दी।

बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए 4 अक्टूबर से होगा आवेदन

पटना, एजेंसी। बिहार में सरकारी शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया की तारीख में बदलाव किया गया है। अब शिक्षक सामान्य ट्रांसफर के लिए 4 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। शिक्षा विभाग ने इसके लिए संशोधित समय-सारणी जारी की है।

पहले सामान्य स्थानांतरण के लिए ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया 17 सितंबर से शुरू होनी थी। हालांकि राज्य में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी नई समय-सारणी के मुताबिक, सामान्य स्थानांतरण के लिए संशोधित विद्यालयवार रिक्तियों की सूची 1 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

समायोजन और पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्कूलवार उपलब्ध पदों की संशोधित स्थिति सामने आएगी। इसके बाद शिक्षक अपनी पसंद और वरीयता के आधार पर विद्यालयों का विकल्प चुनते हुए सामान्य स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

सामान्य स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 4 अक्टूबर से शुरू होगी और 10 अक्टूबर तक चलेगी। इस अवधि में शिक्षक ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के दौरान उन्हें अपनी वरीयता के अनुसार विद्यालयों का विकल्प देना होगा। विभाग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, 10 अक्टूबर आवेदन की अंतिम तारीख होगी।

यह बदलाव बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण

नियमावली, 2026 के तहत चल रही स्थानांतरण प्रक्रिया में किया गया है। सामान्य स्थानांतरण से पहले समायोजन और पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसी प्रक्रिया के बाद विद्यालयवार रिक्तियों की स्थिति में भी बदलाव होना है। इसलिए सामान्य स्थानांतरण के लिए आवेदन से पहले संशोधित रिक्तियों का प्रकाशन किया जाएगा।

शिक्षा विभाग ने बताया है कि राज्य में बाढ़ की गंभीर स्थिति और प्राकृतिक आपदा के कारण स्थानांतरण प्रक्रिया के पहले और दूसरे चरण की गतिविधियों में विलंब हुआ है। इसी वजह से सामान्य स्थानांतरण के लिए पहले से निर्धारित कार्यक्रम में संशोधन करना पड़ा। विभाग ने नई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रक्रिया के लिए संशोधित समय-सारणी जारी की है।

सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया में विद्यालयवार रिक्तियों की सूची महत्वपूर्ण होगी। समायोजन और पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया के बाद उपलब्ध रिक्तियों में बदलाव हो सकता है। इसी को देखते हुए विभाग 1 अक्टूबर को सामान्य स्थानांतरण के लिए संशोधित विद्यालयवार रिक्तियों का प्रकाशन करेगा।

रिक्तियों की यह सूची जारी होने के बाद शिक्षक यह देख सकेंगे कि किस विद्यालय में सामान्य स्थानांतरण के तहत पद उपलब्ध हैं। इसके आधार पर 4 से 10 अक्टूबर के बीच शिक्षक अपनी वरीयता के क्रम में विद्यालयों का विकल्प भर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सामान्य स्थानांतरण की आगे की कार्रवाई शुरू होगी।

विभाग की संशोधित समय-सारणी के अनुसार 12 अक्टूबर से सामान्य स्थानांतरण की सूची के प्रकाशन, उस पर अपील और प्राप्त अपीलों के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह पूरी प्रक्रिया 18 नवंबर तक चलेगी। यानी आवेदन खत्म होने के बाद भी सामान्य स्थानांतरण से जुड़ी प्रक्रिया कई चरणों में आगे बढ़ेगी। विभाग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 12 अक्टूबर से 18 नवंबर के बीच सूची प्रकाशन, अपील और अपीलों के निपटारे की कार्रवाई पूरी की जानी है।

जदयू विधायक अनंत सिंह का बागी तेवर बरकरार, कहा- 'नीरज कुमार की जमानत जब्त करवाएंगे'

पटना, एजेंसी। मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह का बागी तेवर बरकरार है. उन्होंने साफ कर दिया है कि वह पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में नीरज कुमार का विरोध करेंगे. सिर्फ हराएंगे ही नहीं बल्कि जमानत भी जब्त करवा देंगे.

दरअसल, जेडीयू ने अनंत सिंह को मनाने की कोशिश की लेकिन उसमें सफलता नहीं मिली. निशांत कुमार ने भी मोर्चा संभाला पर उसका भी परिणाम सिफर ही रहा. इसका उदाहरण शुक्रवार को देखने को मिला. जब जेडीयू की बैठक में अनित सिंह नहीं पहुंचे. जब संवाददाताओं ने अनंत सिंह से इस मुद्दे पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि यह चुनाव पार्टी के सिंबल पर नहीं लड़ा जाता है. ऐसे में यह पार्टी का चुनाव कैसे है. वैसे भी नीरज कुमार ने मुझे हराने की कोशिश की थी. यही नहीं एके 47 मामले में जेल भिजवाने में नीरज कुमार का ही हाथ था.

''हम जदयू के विरोध में नहीं है, हम नीरज कुमार का विरोध कर रहे हैं. उसी ने मुझे फंसाया था, यह बात हमने बैठक में भी कही थी. अगर जरूरत है तो उसका (नीरज कुमार) और मेरा नार्को टेस्ट कराया जाए. उन्होंने शराब पिला-पिलाकर लोगों से मुझे गाली सुनवाए हैं.''- अनंत सिंह, विधायक, जेडीयू

जेडीयू के मोकामा विधायक अनंत सिंह ने एलान किया है कि वह इस बार एमएलसी चुनाव में पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अनुज सिंह का समर्थन करेंगे. नवादा के शिक्षाविद् और संभावित प्रत्याशी अनुज सिंह, अनंत सिंह के समर्थन से काफी खुश नजर आ रहे हैं. वैसे अनंत सिंह और नीरज कुमार की अदावत पिछले 11 साल यानी 2015 से जारी है. दो दिन पहले यानी 16 सितंबर को बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने 7 सर्कुलर रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर जद (यू) के नालंदा जिले के सांसद, विधायक, विधान पार्षदगण एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक में चुनाव की तैयारियों, संगठन की सक्रियता, मतदाताओं से संवाद तथा बूथ स्तर तक पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई.

स्ट्रेचर टूटा था या सिस्टम: बक्सर में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर शव को घसीटता दिखा कर्मचारी

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर जिले के पुराने सदर अस्पताल स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति शव को पैरों से पकड़कर जमीन पर घसीटते हुए अंदर ले जाता दिख रहा है। यह वीडियो 31 अगस्त का बताया जा रहा है और करीब 17 दिन बाद सामने आया है।

बक्सर आरओबी के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात शव मिला था। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने शव को रिक्शे के जरिए पुराने सदर अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा था। वीडियो में दिख रहा करीब एक मिनट 25 सेकंड का फुटेज उसी दौरान का है, जिसमें चादर में लिपटे शव को एक व्यक्ति अकेले घसीटते हुए अंदर पहुंचाता नजर आता है। जीआरपी थानाध्यक्ष मनी चंद्र पांडेय के अनुसार, अज्ञात शव की अंतिम संस्कार के लिए सरकार की ओर से पांच हजार रुपये की राशि आती है। शव उठाने के लिए चार लोगों की जरूरत बताते हुए पूरी राशि दी गई थी। उन्होंने कहा कि जीआरपी के पास शव ले जाने के लिए कोई आधिकारिक एंबुलेंस या वाहन की व्यवस्था नहीं है, इसलिए निजी तौर पर व्यवस्था करनी पड़ती है।

वीडियो में दिख रहा व्यक्ति बिहारी राम है, जो जीआरपी की ओर से शव के साथ भेजा गया था। पोस्टमॉर्टम हाउस के कर्मचारी शंकर ने दावा किया कि वहां का स्ट्रेचर टूटा हुआ था। उन्होंने उस व्यक्ति से दो-तीन लोगों को बुलाकर शव अंदर पहुंचाने को कहा था, लेकिन वह अकेला ही शव को घसीटकर ले गया। वहीं बिहारी राम ने बताया कि वो दो लोग मिलकर शव उठाते हैं लेकिन कोई नहीं आया इसलिए उन्हें अकेले ही शव लेकर जाना पड़ा।

'एक शव को उठाकर ले जाने के लिए कम से कम चार लोगों की जरूरत होती है, लेकिन कोई नहीं था, जिस वजह से मुझे अकेले ही यह सारा काम करना पड़ा। इसके लिए हमरा मेहनताना भी बेहद कम है, सरकार से मांग है कि मुझे महीने के हिसाब से मेहनताना देना चाहिए

सिविल सर्जन डॉ। शिवकुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान और उस समय की व्यवस्था की जांच की जा रही है। जांच के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

इस घटना ने सरकारी अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ साल पहले भी इसी पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर शवों की दुर्दशा, कुत्तों द्वारा नोचने और गंगा में फेंके जाने की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद अंतिम संस्कार की राशि बढ़ाकर पांच हजार रुपये की गई थी।

राशि बढ़ने के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं होने के आरोप लग रहे हैं। 17 दिन पुराने इस वीडियो ने एक बार फिर शवों के सम्मानजनक प्रबंधन और सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिहार में बाढ़ से हुए नुकसान का दुर्गा पूजा से पहले होगा आकलन, शिवराज सिंह चौहान ने भरपूर मदद का दिलाया भरोसा

पटना, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री-सह-ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहां की बिहार में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया की बिहार को अधिक से अधिक मदद पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे।

बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बाढ़ 2026 की स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि समेत विभिन्न विभागों के सचिव ने अपने-अपने विभागों द्वारा बाढ़ के दौरान की गई व्यवस्थाओं, राहत कार्यों तथा बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया।

वहीं इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रथम दृष्टया केंद्रीय मंत्री एवं उनकी टीम ने जो स्थिति को देखा है, उससे प्रधानमंत्री को भी अवगत करायेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा से पहले ही बाढ़ से हुए नुकसान का पूरा आकलन कर लिया जाएगा।

सीएम ने आगे कहा कि इसकी विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। बिहार को भारत सरकार का सहयोग हमेशा मिलता रहा है और इस बार भी बाढ़ से हुए नुकसान के आकलन के आधार पर केंद्र सरकार से अधिकतम सहायता की उम्मीद है। समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने में बिहार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बिहार ने बाढ़ राहत के क्षेत्र में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाढ़ से आधारभूत संरचनाओं एवं फसलों को खासा नुकसान पहुंचा है। केला, मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भी नुकसान हुआ है। शिवराज सिंह के मुताबिक केला, मक्का, लीची आदि फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा, जिससे बेहतर गुणवत्ता वाली फसलों की पैदावार हो सके, किसानों की आय बढ़े तथा कृषि उत्पादों को विदेशों तक पहुंचाने की संभावनाओं को बल मिले।

केंद्रीय मंत्री ने विश्वास दिलाया कि वर्तमान परिस्थितियों में बिहार को अधिकतम सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बाढ़ से हुए नुकसान एवं बिहार की आवश्यकताओं को प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के संज्ञान में लाया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए मकानों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाने, जीविका दीदियों को सहायता उपलब्ध कराने तथा किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी व बिजेन्द्र प्रसाद यादव, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा, ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार और सभी आला अधिकारी मौजूद थे।

लाखों की जॉब छोड़ शुरू किया मखाना का कारोबार, ग्रामीणों को देते हैं रोजगार.. सालाना 25-30 करोड़ का टर्नओवर!

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स सम्मेलन की वेलकम किट में भारत विभिन्न राज्यों के जिन स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को शामिल किया गया था, उसमें बिहार का सत्तू और भुना हुआ मखाना शामिल था. मिथिलांचल का वही पारंपरिक मखाना, जिसे सुपर फूड कहा जाता है. वैसे तो राज्य में बड़े पैमाने पर इसकी खेती होती है लेकिन इसके उत्पाद बनाने वाली कंपनी गिनी-चुनी है. मुजफ्फरपुर के रजनीश कुमार पिछले 5 सालों से अपनी कंपनी के माध्यम से मखाना उत्पाद को देश-दुनिया तक पहुंचा रहे हैं.

रजनीश दिल्ली में प्राइवेट जॉब करते थे लेकिन कोरोना काल में घर लौटने और अपना कारोबार शुरू करने का फैसला किया. उन्होंने मखाना कारोबार की संभावनाओं को समझा और छोटे स्तर से काम शुरू किया. शुरुआत में पिता और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर मखाने का कारोबार शुरू किया. आज उनका कारोबार करोड़ों के टर्नओवर तक पहुंच चुका है और मुजफ्फरपुर में करीब 30-35 लोगों को रोजगार मिल रहा है. खास बात यह है कि उनकी टीम में बड़ी संख्या महिलाओं की है.

रजनीश बताते हैं, 'करीब 25 वर्षों से दिल्ली में काम कर रहा था. एचआर कंसल्टेंसी समेत दूसरे कारोबार से भी जुड़ा था. कोरोना के दौरान कंपनियों ने हायरिंग लगभग बंद कर दी.

तिरंगे में लिपटे फौजी पिता के चरणों में रखी गई 20 दिन की बेटी, अंतिम विदाई में रो पड़ा बिहार

कैमूर, एजेंसी। आर्मी जवान शत्रुघ्न यादव की अंतिम विदाई में उस वक्त सभी की आंखें नम हो गईं जब उनकी 5 साल और 20 दिन की बेटी ने पिता को आखिरी विदाई दी. पांच साल की बेटी ने हाथ जोड़कर पिता को आखिरी बार देखा तो वहीं 20 दिन की बच्ची को तो पता भी नहीं कि उसके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ चुका है. रामगढ़ थाना क्षेत्र के सहूका गांव निवासी आर्मी जवान शत्रुघ्न यादव की अंतिम विदाई में लोगों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा.

जैसे ही जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा, बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए वहां जमा हो गए. सैन्य जवानों की गरिमामयी मौजूदगी में गार्ड ऑफ ऑनर और सलामी के साथ शत्रुघ्न यादव को नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई. इस दौरान परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था.

इस विदाई के दौरान पूरा माहौल अत्यंत गमगीन रहा. जवान के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जिससे वहां मौजूद हर आंख नम हो गई. वहीं दूसरी तरफ, ग्रामीण भी अपने क्षेत्र के वीर जवान की इस तरह अचानक हुई मौत से बेहद आक्रोशित और भावुक नजर आए. पूरा सहूका गांव देश के इस बहादुर सैनिक को याद कर गहरे दुख में डूब गया.

बताया जा रहा है कि करीब एक सप्ताह पहले जमीन से जुड़े बकाया रुपये के विवाद को लेकर शत्रुघ्न यादव को

कथित तौर पर पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया था. इस वीभत्स घटना के बाद गंभीर रूप से झुलसे शत्रुघ्न यादव को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की गई. प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित आर्मी कैम्प अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वहां डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उनकी दर्दनाक मौत हो गई. जवान की मौत की खबर जैसे ही उनके पैतृक गांव पहुंची, लोगों में भारी आक्रोश फैल गया. गुरुवार को आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने रामगढ़ के दुर्गा चौक पर घंटों सड़क जाम किया. उग्र प्रदर्शनकारी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे. मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया ताकि यातायात को सामान्य रूप से बहाल किया जा सके.

इस बीच कैमूर के एसपी शिखर चौधरी की ओर से त्वरित कार्रवाई और न्याय का भरोसा दिया गया. वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का ठोस आश्वासन दिए जाने के बाद ही ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया और जाम खोला. इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में वहां स्थिति पूरी तरह सुचारू हो पाई. पुलिस के अनुसार इस दर्दनाक मामले में अब तक तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. वहीं घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं. पुलिस प्रशासन पूरे मामले की गहनता से जांच करने में जुटा है ताकि घटना से जुड़े अन्य सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की सही पड़ताल की जा सके. परिजनों और ग्रामीणों का गंभीर आरोप है कि जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े करीब 16 लाख रुपये के बकाये को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था. आरोप है कि इसी रंजिश के कारण शत्रुघ्न यादव को दीपक यादव और बृजेश यादव समेत अन्य लोगों ने धोखे से अपने घर बुलाया. वहां उनके ऊपर जानलेवा हमला करते हुए पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई.

इस जानलेवा और खौफनाक हमले में बुरी तरह झुलसे आर्मी जवान शत्रुघ्न यादव की आखिरकार लखनऊ के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. जवान की असमय मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है. इस पूरे मामले को लेकर पीड़ित परिजनों ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है. इस जघन्य घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी थी, जिसके तहत अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. मामले के अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं. प्रशासन का दावा है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा. इधर, शहीद जवान के अंतिम संस्कार के दौरान सहूका गांव में ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही. देश की सेवा करने वाले इस वीर सपूत को जब सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई, तो वहां उपस्थित हर एक व्यक्ति की आंखें नम हो गईं. इस भावुक दृश्य ने पूरे इलाके के लोगों को भीतर तक झकझोर कर रख दिया. ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग दोहराई है. वे सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कठोर सजा देने की अपील कर रहे हैं. वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई वैज्ञानिक जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है.

संक्षिप्त समाचार

विनम्रता अपनाना ही मार्दव धर्म : शिवदत्त सागर

अलीगढ़ , एजेंसी। दसलक्षण महापर्व के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को खिरनी गेट स्थित श्री लख्मीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगंबर जैन ट्रस्ट मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि शिवदत्त सागर ने कहा कि मार्दव धर्म मनुष्य के भीतर से अभिमान को दूर कर विनम्र और सरल बनने की प्रेरणा देता है।

स्वभाव में निर्मलता और व्यवहार में कोमलता रखना ही उत्तम मार्दव धर्म है।मुनि शिवदत्त सागर महाराज एवं मुनि पद्मदत्त सागर महाराज के सान्निध्य और प्रतिष्ठाचार्य राकेश भैया के निर्देशन में श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा और सामूहिक पूजन विधि-विधान से हुआ। दोपहर में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल मंदिर पंचायत में मथुरा से आए पंडित अंकित जैन शास्त्री के निर्देशन में दसलक्षण विधान कराया गया। राकेश जैन एवं सरिता जैन परिवार पुण्यार्जक रहे।

शाम को मंदिर में आरती, स्वाध्याय और प्रवचन के बाद धर्म के दस रंग धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आगरा रोड पर जैन समाज सेवा समिति की ओर से भोजन वितरण किया गया। यहां जगवीर किशोर जैन पूर्व एमएलसी, पदमा जैन, गौरव जैन, अशोक जैन दोषी, प्रदीप कुमार जैन आदि थे।

100 करोड़ से बनेंगे तीन प्रवेश द्वार, तीन बड़े चौराहे होंगे चौड़े

अलीगढ़ । अलीगढ़ विकास प्राधिकरण शहर में 100 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराएगा। तीन भव्य प्रवेश द्वार बनवाए जाएंगे और तीन प्रमुख चौराहों को चौड़ा कर सुंदरीकरण कराया जाएगा। इसके अलावा कुछ अन्य सड़कें भी बनाई जाएंगी।

एडीए वीसी कुलदीप मीणा ने बताया कि शहर में तीन भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। पहला जीटी रोड हाईवे पर बौनेर के पास, दूसरा गभाना में महरावल के पास, तीसरा अनूपशहर रोड पर बनाया जाएगा। इन तीनों को शहर के कारोबार और परंपरा के अनुसार डिजाइन किया जाएगा ताकि आने-जाने वाले लोगों को शहर में प्रवेश करते वक्त यहां की अनुभूति हो सके। इसी तरह से दुबे का पड़ाव, ओजोन कट तिराहा और महेशपुर फाटक चौराहे का सुंदरीकरण किया जाएगा। वर्तमान में यह तीनों चौराहे संकरे हैं, जिससे यातायात प्रबंधन में असुविधा होती और जाम लगता है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अवस्थापना निधि से कुछ अन्य सड़कें और निर्माण कार्य पूरे किए जाएंगे। एडीए के अवस्थापना निधि के कार्यों को हरी झंडी देने के लिए बृहस्पतिवार शाम को बैठक हुई थी।

डीआरएम ने स्टेशन पर देखे विकास और निर्माण कार्य

अलीगढ़ , एजेंसी। प्रयागराज मंडल के रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल बृहस्पतिवार को अलीगढ़ जंक्शन पहुंचे और विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उनके आने से करीब 48 घंटे पहले से ही तैयारियां तेज कर दी गई थीं। स्टेशन पर सफाई, यात्री सुविधाओं और निर्माणाधीन कार्यों की स्थिति सुधारने में रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी जुटे रहे। डीआरएम ने दादरी के रास्ते सोमना, महरावल के अलावा अलीगढ़ स्टेशन पर चल रहे कार्यों, प्रवेश-निकास और प्लेटफॉर्म की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सोमना स्थित डब्ल्यूसीएलएस साइडिंग और सोमना यार्ड में यूएसएफडी मशीन से रेल पटरी की जांच की प्रक्रिया भी देखी और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संरक्षा में किसी तरह की लापरवाही न हो और विकास कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरे किए जाएं।

अभिमान न करें, विनम्रता ही सच्चा आभूषण : सौरभ सागर

मेरठ , एजेंसी। दसलक्षण महापर्व के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को उत्तम मार्दव धर्म की पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने अभिषेक, शांतिधारा और विधान में भाग लेकर अहंकार का त्याग करने का संकल्प लिया। मंदिरों में दिनभर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।महावीर जयंती भवन में आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि मार्दव का अर्थ मृदुता, नम्रता और मन की कोमलता है। धन, रूप, ज्ञान या कुल का अभिमान नहीं करना चाहिए। विनम्रता मनुष्य का सच्चा आभूषण है। छोटे बड़े सभी का सम्मान करना ही उत्तम मार्दव धर्म का भाव है। गुरु भक्ति व शंका समाधान सत्र में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शांतिधारा अरुण जैन परिवार ने की। नितिन शर्मा के निर्देशन में जैन सम्राट नाटिका प्रस्तुत की गई। सुरेश जैन रितुराज ने बताया कि 18 सितंबर की रात भी नाटिका प्रस्तुत की जाएगी।

धार्मिक कार्यों का वास्तविक महत्व है मान मर्दन- श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर असौड़ा हाउस में मुख्य शांतिधारा का सौभाग्य अमर जैन परिवार को मिला। पंडित पलाश जैन शास्त्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति मान का मर्दन नहीं करता तब तक उसके

धार्मिक कार्यों का वास्तविक महत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि जो सम्मान पाना चाहता है, उसे दूसरों को सम्मान देना होगा। रचित जैन ने कहा कि ज्ञान के लिए झुकना आवश्यक होता है।

सामूहिक आरती के बाद हुई शास्त्र सभा- फूलबाग कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में पारसनाथ भगवान का अभिषेक हुआ। मंत्री नवीन जैन ने बताया कि मान और अभिमान के त्याग से आत्मा में उत्तम मार्दव धर्म प्रकट होता है। शाम को सामूहिक आरती और शास्त्र सभा हुई। रात में आशा जैन ने खेल कराए और विजेताओं को पुरस्कार दिए।

शास्त्रीनगर, सदर और कंकरखेड़ा में भी हुए आयोजन- श्री दिगंबर जैन पारसनाथ पंचायती मंदिर सेक्टर-2 शास्त्री नगर में अभिषेक, शांतिधारा और दसलक्षण विधान हुआ। विवेक जैन शास्त्री ने आठ प्रकार के मद ज्ञान, पूजा, कुल, जाति, बल, ऋद्धि, तप और शरीर का अभिमान छोड़ने का संदेश दिया। शाम को जैन मिलन मेरठ पूर्व की ओर से धार्मिक तंबोला कराया गया। सदर के दुर्गाबाड़ी स्थित भगवान पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चौबीस तीर्थंकर विधान के दूसरे दिन जतिन-गरिमा जैन ने अभिषेक और शांतिधारा की। ढोलकी मोहल्ला स्थित भगवान ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम मार्दव धर्म की पूजा हुई। कंकरखेड़ा स्थित श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में विधानाचार्य आशीष जैन के निर्देशन में भक्तामर विधान हुआ। दिल्ली रोड अरुणम कॉलोनी स्थित श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में मुकेश जैन मानसरोवर ने विधान कराया।

साकेत जैन मंदिर में हुआ विश्व शांति विधान- साकेत स्थित दिगंबर जैन मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन अनिल जैन और जोधामल सराफ परिवार ने किया। मंदिर में विश्व शांति के लिए आयोजन हुआ। सुनील जैन द्वारा शाम को तत्व चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद लकी ड्रा निकाला गया। इस अवसर दिनेश कुमार जैन, विशाल जैन, हर्ष जैन, संजय जैन, अजय जैन, विजय जैन रहे।

संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाना है तो प्रदेश में सपा की सरकार बनाएं

गोरखपुर , एजेंसी। खजनी विधानसभा क्षेत्र के महदेवा बाजार में आयोजित सपा की पीडीए जनपंचायत एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण को बचाना है तो प्रदेश में सपा की सरकार बनानी होगी। सपा सरकार में सभी वर्गों के हित सुरक्षित रहेंगे और सामाजिक न्याय की स्थापना होगी।

पीडीए जनपंचायत में प्रदेश अध्यक्ष ने सपा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनने पर महिलाओं के खाते में सालाना 40 हजार रुपये की धनराशि भेजी जाएगी। सपा सरकार में पहले संचालित रहीं योजनाओं को फिर से बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों का उत्पीड़न सपा सरकार में नहीं होने दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता आपसी भाईचारा कायम रखते हुए अपने बूथ पर 100 मतदाताओं को सपा से जोड़े। उन्होंने भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक के मामलों का भी मुद्दा उठाया। साथ ही भाजपा के पुराने चुनावी वादों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं ने लोगों से कई वादे किए थे, लेकिन वे पूरे नहीं हुए। सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष ने बूथ संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने सेक्टर प्रभारियों और पीडीए के जिला प्रभारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संतकबीरनगर के सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद, जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रहलाद यादव, रूपावती बेलदार, छोटू, संजय यादव, महेंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

कला संकाय के नरेश और रोहन ने दो अलग मुकाबलों में किए पांच गोल, वाणिज्य-कृषि विज्ञान को हराया

वाराणसी, एजेंसी। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद बीएचयू की ओर से अंतर-संकाय हैंडबॉल एंफीथियेटर मैदान पर खेली गई। इसके अलग-अलग मुकाबले में कला संकाय के नरेश और रोहन के पांच-पांच गोल की मदद से कला संकाय की टीम ने दो मैच जीते। साथ ही अगले चक्र में प्रवेश कर लिया। पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट के दूसरे दिन पहला मैच वाणिज्य संकाय और कला संकाय (पुरुष) टीम के मध्य खेला गया।

इसमें कला संकाय की टीम टीम ने 14-8 से जीत हासिल की। कला संकाय के रोहन सोनकर ने मैच में 5 गोल किए। दूसरा मैच कृषि विज्ञान संस्थान और कला संकाय की टीम के बीच खेला गया। इसमें कला ने 18-11 से जीत पाई। इसमें नरेश ने पांच गोल किए। इससे पूर्व प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबले में वाणिज्य संकाय ने कृषि विज्ञान संस्थान को 10-9 से हराया।

कैरिज डिपो में कंबल सैनिटाइजेशन मशीन का शुभारंभ, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

गोरखपुर , एजेंसी। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बौलिया स्थित पूर्वोत्तर रेलवे के कैरिज डिपो में नई कंबल सैनिटाइजेशन मशीन का शुभारंभ किया गया। इस मशीन के जरिए ट्रेनों में यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले कंबलों की बेहतर ढंग से सफाई और सैनिटाइजेशन किया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री एवं नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन के सहायक महामंत्री विनोद कुमार राय ने मशीन के शुभारंभ पर रेलवे की पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों में कंबलों की स्वच्छता और दुर्गंध को लेकर यात्रियों की शिकायतें आती रही हैं। नई मशीन से विशेष प्रक्रिया और हवा के दबाव के जरिए कंबलों की सफाई की जाएगी। इससे कंबलों को सैनिटाइज करने के साथ उनकी दुर्गंध भी दूर होगी। इसी क्रम में उन्होंने विश्वकर्मा पूजा की भी शुभकामनाएं दीं।

एआई में दक्ष होंगे दिग्विजयनाथ एलटी ट्रेनिंग कॉलेज के प्रशिक्षु

गोरखपुर , एजेंसी। शिक्षक प्रशिक्षण को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ने की पहल हुई है। दिग्विजयनाथ एलटी ट्रेनिंग कॉलेज और संभव फाउंडेशन ने शैक्षिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण, कार्यशाला, संगोष्ठी, इंटर्नशिप और सामुदायिक परियोजनाएं संयुक्त रूप से संचालित होंगी। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार पांडेय ने कहा कि इससे प्रशिक्षुओं को एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल का अनुभव मिलेगा। संभव फाउंडेशन के मास्टर ट्रेनर प्रशिष्ट सागर ने बताया कि प्रशिक्षुओं को एआई आधारित कौशल से दक्ष किया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षक शिक्षा को तकनीक से जोड़ने पर केंद्रित है।

जीएसटी से बचने के लिए व्यापारी ने निकाला ऐसा तरीका, अधिकारी रह गए हैरान; तीन फर्म पर प्राथमिकी दर्ज

आगरा, एजेंसी। जीएसटी चोरी के बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। बिना ईवे बिल के आगरा से अलीगढ़ माल ले जा रहे ट्रक को टीम ने पकड़ा। जांच में बिल और बिल्टी के फर्जी होने का पता चला। झारखंड के प्रपत्र दिखाकर टीम को गुमराह किया गया। फर्जी तरीके से खरीद फरोख्त को दर्शाया गया। मामले में तीन फर्म सहित पांच के खिलाफ थाना नाई की मंडी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सहायक आयुक्त, राज्य कर सचल दल वीरेंद्र लाल ने डीसीपी सिटी से शिकायत की। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त की रात 11:35 बजे एक ट्रक को रामबाग चौराहे पर रोका। इसमें 12 मीट्रिक टन स्क्रैप लदा था। चालक हाथरस निवासी सलमान ने झारखंड की फर्जी बिल्टी दिखा अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की। वह माल को आगरा से अलीगढ़ ले जा रहा है जबकि गाजियाबाद की तनिष्क ट्रांसपोर्ट कंपनी ने माल बुक कराया था। माल का परिवहन दुमका से अलीगढ़ दर्शाया गया। झारखंड की जय माता दी ट्रेडर्स की ओर से अलीगढ़ की बालाजी एंटरप्राइजेज फर्म को जारी इनवाइस दिखाई। चालक ने शपथ दिया कि वह माल को आगरा से अलीगढ़ ले जा रहा था। इस माल के लिए ईवे बिल जारी नहीं किया गया था जबकि 50 हजार से अधिक कीमत पर ईवे बिल जारी करना अनिवार्य है। इसके साथ ही माल आगरा से लोड हुआ जबकि दस्तावेज अन्य जगह से माल की लोडिंग के दस्तावेज दिखाए गए। माल की कीमत 216383 दिखाई गई। इसके बावजूद ई वे बिल जारी नहीं किया। झारखंड से टैक्स इनवाइस जारी कर अधिकारियों को भ्रमित करना चाहते थे। वाहन के मूवमेंट की जांच में पता चला कि वाहन 2 जून को बरोस टोल प्लाजा से निकला।यह झारखंड कभी नहीं गया। विभाग ने जय माता ट्रेडर्स की जीएसटी प्रोफाइल खंगाली। इसमें पता चला कि फर्म ने जीएसटी का पंजीयन 27 दिसंबर 2025 को लिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 में जीएसटीआर-2ए खरीद शून्य दिख रही है। उसके पास स्टाक भी नहीं था। जीएसटीआर-1 में भी मई 2026 में 5378 रुपये और जून 2026 में 7825 रुपये कुल 13203 रुपये की बिक्री दिखाई गई। 1.83 लाख रुपये के 12 टन स्क्रैप की बिक्री का इनवाइस जारी करना चोरी की मंशा को दर्शाता है। फर्मों से भी माल खरीद की पुष्टि नहीं हो सकी। जांच में सामने आया कि बायर बालाजी एंटरप्राइजेज ऐसी फर्म से खरीद करते मिली कि जो कि निरस्त थी या फिर निलंबित कर दी गई थीं। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि क्रेता और विक्रेता दोनों पर राजस्व की क्षति पहुंचाने का आरोप है।इस पर सप्लायर फर्म जय माता दी ट्रेडर्स, क्रेता विक्रेता फर्म के प्रोपराइटर मालिक बालाजी एंटरप्राइजेज, तनिष्क ट्रांसपोर्ट कंपनी, अज्ञात वाहन स्वामी और चालक सलमान के खिलाफ धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज की है। साक्ष्य संकलन किया जा रहा है।

अमान्य 45 स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना

आगरा, एजेंसी। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम का उल्लंघन करने वाले 45 से अधिक अमान्य स्कूलों के प्रबंधकों पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी (बीएसए) ने एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि इसके बाद भी अमान्य विद्यालयों का संचालन जारी रहा तो प्रतिदिन 10 हजार रुपये की दर से अतिरिक्त जुर्माना वसूला जाएगा और प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी।

बीएसए की ओर से जारी जुर्माना नोटिस व आदेश के अनुसार, जांच के दौरान खेरागढ़, जगनेर, फतेहाबाद, पिनाहट, शमसाबाद, बाह और जैतपुर कलां विकास खंडों में कई अमान्य स्कूल संचालित पाए गए। इनमें से कई विद्यालय तो बिना किसी पंजीकृत नाम के केवल संचालक चला रहे थे। अन्य निजी नामों से अवैध कक्षाएं चला रहे थे। खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) से कहा गया है कि वे जुर्माने की धनराशि तत्काल जमा कराएं और अमान्य शिक्षण संस्थानों के संचालन को बंद कराएं।

केयरटेकर विभाग में फर्जीवाड़ा, खानपान पर उड़ा दिए 73 लाख, कागजों में लगे सबमर्सिबल पंप, जांच के निर्देश

कानपुर, एजेंसी। कानपुर नगर निगम में धांधली के बीच भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। अब केयरटेकर विभाग में वित्तीय अनियमितता की शिकायत पर जांच शुरू की गई है। आरोप है कि केयरटेकर ने पारिवारिक सदस्यों व सहकर्मियों के साथ मिलकर फर्म बनाई और सरकारी धन का बंदरबांट किया है। जिलाधिकारी के आदेश पर अपर जिलाधिकारी नगर ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर जांच कराने और रिपोर्ट देने को कहा है। सेवाग्राम कॉलोनी, दादानगर निवासी राकेश मिश्र ने केयर टेकर विभाग में हो रही अनियमितता की शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय में की थी। इसमें कहा गया है कि केयरटेकर खुद या परिवार वालों के साथ मिलकर फर्म चला रहे हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारी के नाम पर फर्म बनाकर फर्जी बिल के आधार पर भुगतान करा रहे हैं। आरोप है कि अकेले खानपान में आठ माह में 73 लाख रुपये खर्च कर दिए गए।

विजिलेंस से जांच कराने की मांग-एक कंपनी के नाम से खरीदारी की गई है। शिकायत करने वाले राकेश मिश्र ने कई और आरोप लगाते हुए मामले में विजिलेंस से जांच कराने की मांग की है। यह शिकायत डीएम कार्यालय पहुंची, तो उनके निर्देश पर एडीएम सिटी आलोक कुमार गुप्ता ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय को पत्र भेजकर कहा है कि जिलाधिकारी ने जानकारी मांगी है, इसकी जांच कर रिपोर्ट दें।

कागजों में कई जगह सबमर्सिबल पंप-इसमें पूर्व केयर टेकर के कार्यकाल में हुए कार्यों की भी शिकायत की गई है। आरोप है कि कागजों में ही कई जगह सबमर्सिबल पंप लग गए और भुगतान भी हो गया। अधिकारियों ने एडवांस अपने खाते में लेकर विकास कार्य कराया है इसकी भी जांच शुरू हुई है। आठ साल में केयर टेकर विभाग में हुए एक-एक नए व पुराने कार्यों की जांच कराई जा रही है। इसमें कई पुराने अधिकारी व कर्मचारी भी फंसने तय हैं।

खामियों पर मर्सी अस्पताल को थमाया था नोटिस, पंजीकरण से उठे सवाल

बरेली , एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के बीच तनातनी नवजात की जान पर भारी पड़ गई। सीएमओ को सौंपी गई मर्सी अस्पताल में नवजाज की मौत संबंधी जांच रिपोर्ट में तमाम खामियां गिनाकर कार्रवाई की संस्तुति की गई है। माह भर पूर्व निरीक्षण में अव्यवस्था की पुष्टि हुई थी पर कार्रवाई नहीं हुई। इसी बीच अस्पताल का पंजीकरण होने से विभागीय स्थलीय निरीक्षण पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जांच समिति ने 15 और 16 सितंबर को मर्सी अस्पताल का निरीक्षण किया था। जांच रिपोर्ट में अस्पताल संचालन और जीवन रक्षक व्यवस्थाओं में खामियां मिलने के साथ ही नवजात शिशु देखभाल इकाई और इमरजेंसी ऑक्सीजन सप्लाई के अभिलेख मानकों के अनुरूप नहीं मिले। बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण, फायर सेफ्टी, भवन सुरक्षा, इन-हाउस मेडिकल स्टोर, फार्मेसी संचालन में कमियां मिलीं। पर्याप्त दस्तावेज और रिकॉर्ड न मिलने से स्वास्थ्य मानकों का सत्यापन नहीं हो सका। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अनुराग गौतम ने कहा कि उच्चाधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी।बताया जाता है कि पिछले माह स्वास्थ्य विभाग की एक अधिकारी ने मर्सी अस्पताल का निरीक्षण कर नोटिस थमाया था। अपंजीकृत मिलने पर कार्रवाई की संस्तुति थी। कार्रवाई के बजाय अस्पताल का विभाग में पंजीकरण और अव्यवस्था पर कार्रवाई न होने से जिम्मेदारों पर सवाल हैं।

पंजीकृत है अस्पताल, किसी नोटिस की जानकारी नहीं-निजी अस्पताल पंजीकरण नोडल अधिकारी डॉ. लईक अंसारी का कहना है कि मर्सी अस्पताल विभाग में पंजीकृत है। पूर्व में कार्यालय में कोई नोटिस दिए जाने की जानकारी नहीं है। वहीं, झोलाछाप नोडल अधिकारी डॉ. शुचिता गंगवार ने कहा कि अस्पताल का पूर्व में निरीक्षण कर नोटिस दिया गया था। तब पंजीकरण के अभिलेख नहीं दिखाए थे। कुछ दिन बाद पंजीकरण प्रपत्र दिखाएं थे।

पोस्टमॉर्टम में सिर में जमा मिला खून का थक्का-सीओ फरीदपुर संदीप सिंह ने बताया कि नवजात की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर में खून का थक्का जमा होने की बात सामने आई है। मौत की वजह स्पष्ट न होने से विसरा सुरक्षित कर लिया गया है। अस्पताल का संचालक अभी हिरासत में है। सीएमओ ऑफिस से निर्देश के बाद रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

जेई-अधिशासी अभियंता दे रही धमकी, 25 हजार रुपये कहां से लाऊं; जिलाधिकारी से की शिकायत

आगरा, एजेंसी। आगरा के बरहन में एक व्यक्ति ने बिजली विभाग के जेई और अधिशासी अभियंता पर 25 हजार रुपये मांगने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। अधिशासी अभियंता ने सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया है।

आगरा के बरहन के गांव चौकड़ा के एक व्यक्ति ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता और जेई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने और 25 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया है।

पीड़ित अश्वनी चौहान ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया है। अश्वनी चौहान ने बताया कि अवर अभियंता प्रमोद कुमार से उपकेंद्र पर आने का समय पूछने पर उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इसकी शिकायत अधिशासी अभियंता मनोज कुमार से करने पर उसे झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई। आरोप लगाया कि प्राथमिकी दर्ज न कराने के

बदले 25 हजार रुपये मांगे गए। इसमें से 20 हजार रुपये नकद और शेष पांच हजार रुपये अधिशासी अभियंता के खाते में देना पड़ा।

एत्मादपुर अधिशासी अभियंता मनोज कुमार ने कहा कि शिकायतकर्ता गलत तरीके से कार्य करना चाहता है। उसने पहले भी मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है। वह अधिकारियों की शिकायत कर दबाव बनाना चाहता है। जो दबाव में नहीं आता, उसकी झूठी शिकायत करता है। उनके मोबाइल से बैंक खाता जुड़ा है। झूठा फंसाने को कोई भी रुपये डाल सकता है। सभी आरोप निराधार और झूठे हैं।

नुक्कड़ नाटक और जागरूकता रैली से छात्र देंगे स्वच्छता का संदेश

वाराणसी, एजेंसी। माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए बृहस्पतिवार से 2 अक्तूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 चलाया जाएगा। इसमें छात्र नुक्कड़ नाटक, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व जागरूकता रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे। 19 सितंबर को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली पर जागरूकता, 21 सितंबर को चार डस्टबिन व्यवस्था की स्थापना और प्रदर्शन तथा 22 सितंबर को विद्यार्थियों से विद्यालय परिसर में उत्पन्न विभिन्न प्रकार के कचरे की पहचान कर निर्धारित डस्टबिन में डालने का अभ्यास कराया जाएगा। 23 सितंबर को पोस्टर निर्माण और नारा लेखन प्रतियोगिता, 24 सितंबर को स्वच्छता जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक, 26 सितंबर को अपशिष्ट लेखा-परीक्षण एवं श्रमदान और 28 सितंबर को रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता होगी। 29 सितंबर को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ विद्यालय और स्वच्छ पर्यावरण विषय पर वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता कराई जाएगी। 30 सितंबर को अपशिष्ट से उपयोगी वस्तु बनाने और जैविक अपशिष्ट से खाद तैयार करने का प्रदर्शन व व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा। अभियान का समापन 2 अक्तूबर को होगा।

संक्षिप्त समाचार

डेटिंग ऐप पर दोस्ती कर फंसाया, फिर पुलिसवाला बनकर 2.15 लाख वसूले

नईदिल्ली, एजेंसी। छावला थाना पुलिस ने वसूली के एक ऐसे रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसकी महिला सदस्य ने डेटिंग एप के जरिये दोस्ती कर एक शख्स को फरीदाबाद से छावला क्षेत्र के ढांसा मेट्रो स्टेशन बुलाया। यहां पहुंचने पर उसे एक कमरे में ले गई। जहां थोड़ी ही देर बाद पहुंची दो अन्य महिला और पुरुष ने उसे खुद को पुलिसकर्मी बताकर बंधक बना उससे 2.15 लाख रुपये वसूल लिए। पुलिस ने इस मामले में तीनों महिलाओं और उसके पुरुष साथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इस दौरान एक महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताया, जबकि उसके पुरुष साथी ने भी खुद को थाने का एसएचओ बताया। आरोपितों के कब्जे से वसूली गई रकम में से 70,500 रुपये बरामद कर लिए हैं। बाकी रकम जिन बैंक खातों में भेजी गई, उन्हें पुलिस ने होल्ड करा दिया है। आरोपितों में सोनीपत निवासी मंदीप (38), गाजियाबाद निवासी प्रीति (32), नजफगढ़ निवासी कमलेश (42) और नजफगढ़ निवासी रितु (40) शामिल है। मंदीप के खिलाफ सोनीपत सिटी थाने में वर्ष 2024 में रंगदारी और धमकी समेत तीन प्राथमिकी और कंझावला थाने में वर्ष 2022 में मारपीट का मामला दर्ज है। कमलेश के खिलाफ द्वारका नार्थ थाने में वर्ष 2023 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उपायुक्त कुशलपाल सिंह के अनुसार, 14 सितंबर को मथुरा निवासी 44 वर्षीय चंद्रभान सिंह ने थाने में शिकायत दी थी। पीड़ित फरीदाबाद में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि क्वैकक्वैक डेटिंग एप के माध्यम से उनकी एक महिला से दोस्ती हुई थी। महिला ने उन्हें ढांसा मेट्रो स्टेशन बुलाया। वहां से उन्हें नजफगढ़ स्थित एक मकान में ले जाया गया। वहां दोनों के पहुंचने के कुछ ही देर बाद अचानक से दो महिला और एक पुरुष पहुंच गए और खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताते हुए इसे एक छापामारी बताया और महिला के साथ गलत स्थिति में पकड़े जाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिए जाने की धमकी देकर उनके पास मौजूद 22 हजार रुपये नकदी और अलग-अलग यूपीआई लेन-देन से कुल 2.15 लाख रुपये ले लिए और वहां से चले गए।

इंडिगो का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने अपनी कई सेवाओं के शुल्कों में बढ़ोतरी कर दी है। एयरलाइन ने अतिरिक्त सामान, बच्चों के सफर, अकेले यात्रा करने वाले बच्चों की सेवा, प्रायोरिटी चेक-इन और ट्रैवल सर्टिफिकेट के दामों में संशोधन किया है। इन शुल्कों में बदलाव को नियमित समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है। नए संशोधनों के तहत, घरेलू उड़ानों पर एक्स्ट्रा बैगेज का शुल्क 700 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 800 रुपये प्रति किलो कर दिया गया है, यानी यात्रियों को अब हर अतिरिक्त किलोग्राम पर 100 रुपये अधिक चुकाने होंगे। इसके अलावा, तीन दिन से दो साल तक के बच्चों के सफर का शुल्क 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया गया है। अकेले यात्रा करने वाले बच्चों की सेवा शुल्क में भी इजाफा हुआ है, जो घरेलू उड़ानों के लिए 5,000 रुपये से बढ़कर 5,999 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 12,999 रुपये तय किया गया है। वहीं, प्रायोरिटी चेक-इन और बोर्डिंग के लिए घरेलू एयरपोर्ट पर अब 450 रुपये के बजाय 650 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 850 रुपये देने होंगे। इसके साथ ही, ट्रैवल सर्टिफिकेट का शुल्क भी 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया गया है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर हैंड बैगेज यात्रियों के लिए एक्सप्रेस एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट पर केवल हैंड बैगेज या बिना किसी सामान के यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक नई और समर्पित सुविधा की शुरुआत की है। इस विशेष सेवा का औपचारिक उद्घाटन दिल्ली एयरपोर्ट के डिप्टी सीईओ मनोमय राय द्वारा टर्मिनल-1 के गेट नंबर 5 पर रिबन काटकर किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य टर्मिनल के प्रवेश द्वारों पर लगने वाली भीड़ को कम करना और हल्के सामान के साथ सफर करने वाले यात्रियों की आवाजाही को अधिक तेज और सुगम बनाना है। इस नई व्यवस्था के तहत आईजीआई एयरपोर्ट के तीनों प्रमुख टर्मिनलों पर केवल केबिन बैग वाले यात्रियों के लिए समर्पित एंट्री गेट निर्धारित किए गए हैं। इसके अंतर्गत टर्मिनल-1 पर गेट नंबर 5, टर्मिनल-2 पर गेट नंबर 1 और टर्मिनल-3 पर गेट नंबर 2 को एक्सप्रेस लेन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

दक्षिण दिल्ली की 420 किमी सड़कों पर एआई का पहरा, जाम और हादसों से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में जाम और सड़क हादसों को कम करने के लिए 420 किमी से अधिक सड़क नेटवर्क का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित ट्रैफिक और सुरक्षा आडिट कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इस अध्ययन के जरिये यह पता लगाएगा कि किन सड़कों और चौराहों पर सबसे ज्यादा जाम रहता है, कहां यातायात की रफ्तार प्रभावित होती है और किन स्थानों पर हादसों का खतरा अधिक है। करीब 270 सड़कें आएंगी। इनमें बाहरी रिंग रोड, रिंग रोड, महरौली-बदरपुर रोड, लाला लाजपत राय मार्ग, हंसराज गुप्ता मार्ग, अरबिंदो मार्ग और महाराजा अग्रसेन मार्ग जैसी प्रमुख सड़कें शामिल हैं। इसके लिए करीब 3.5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सलाहकार नियुक्त करने की योजना है। अध्ययन के आधार पर जाम वाले स्थानों और अधिक दबाव वाले मार्गों के लिए छोटी अवधि में किए जा सकने वाले सुधारों की सूची तैयार की जाएगी। इसमें ट्रैफिक प्रबंधन, सड़क व्यवस्था में बदलाव और कम लागत वाले इंजीनियरिंग कार्य शामिल होंगे। साथ ही हर काम को प्राथमिकता देने और उसकी अनुमानित लागत बताने

की योजना है। जहां जरूरत होगी, वहां नए फ्लाईओवर, अंडरपास या एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की जरूरत भी देखी जाएगी। इसके लिए संबंधित सड़कों पर यातायात की मौजूदा स्थिति और भविष्य में बढ़ने वाले दबाव का अध्ययन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के तहत पीडब्ल्यूडी यह भी देखेगा कि किन सड़कों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी है और कहां इसकी जरूरत है। हादसे या किसी अन्य घटना का अपने आप पता लगाने वाली व्यवस्था की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

लुटियंस दिल्ली में मियावाकी तकनीक से हरियाली बढ़ाने का लक्ष्य, निर्मला सीतारमण ने किया परियोजना का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी द्वारा 22 स्थानों पर मियावाकी तकनीक से दो से तीन वर्षों में ही सघन वन विकसित करने के बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) भी इस तकनीक का उपयोग करेगी। इसकी शुरुआत एनडीएमसी ने लोधी कालोनी स्थिति पार्क से की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोधी कॉलोनी में मियावाकी तकनीक से बनाए जा रहे भारत वन में अशोक का पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरुआत

की। एनडीएमसी चेयरमैन के मनोज द्विवेदी के अनुसार तकनीक के उपयोग से लुटियंस दिल्ली के हरित क्षेत्र को 47 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत किया जाएगा। लोधी कॉलोनी के इस एक एकड़ के पार्क में 776 पौधे लगाए जाएंगे। इस मियावाकी तकनीक से पौधे बहुत तेजी से बढ़ते हैं। दो से तीन वर्षों में पेड़ों की लंबाई से 15-20 फिट तक हो जाती है। इससे हरित क्षेत्र को विकसित करन में मदद मिलती है। इस अवसर पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की जन्मतिथि को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए मियावाकी वन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रजातियों का रोपण कर एक सघन एवं हरित शहरी वन विकसित करना है।

दिल्ली-मुंबई से बेंगलुरु तक आईफोन 18 प्रो के लिए जबरदस्त दीवानगी, एपल स्टोर के बाहर रात से ही लगी लंबी लाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की बिक्री शुरू होने से पहले ही दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के ऐपल स्टोर के बाहर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई ग्राहक रात से ही कतार में खड़े होकर नए मॉडल को सबसे पहले खरीदने का इंतजार कर रहे थे। दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल के ऐपल स्टोर के बाहर सुबह जल्दी से ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया। एक ग्राहक अजय ने बताया कि उन्होंने 18 प्रो मैक्स 1 टीबी मॉडल पहले से प्री-बुक कर रखा है और सबसे पहले लेने के लिए इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल वे 17 प्रो इस्तेमाल कर रहे हैं और नए फीचर्स का इंतजार है। एक अन्य ग्राहक सूरज चौहान, जो यूट्यूब पर टेक रिव्यू चैनल चलाते हैं, उसने कहा कि मेरा यूट्यूब चैनल सूरज चौहान के नाम से है। मुझे फोन में काफी रुचि है। पिछली बार 17 प्रो खरीदा था, इस बार 18 प्रो मैक्स लेने आया हूं। कई लोग इसका इंतजार कर रहे हैं। कैमरा और क्वालिटी में सुधार होना चाहिए। मुंबई में एक ग्राहक ने कहा कि हम पूरी रात यहां खड़े रहे हैं। हम बहुत उत्साहित हैं। हमारे पास बारकोड नहीं है, फिर भी हम लाइन में खड़े हैं। वहीं, नासिक से आए ग्राहक हितेश पटेल ने कहा कि मैं नासिक से यहां आया हूँ। हम कल रात 10 बजे से लाइन में लगे हुए हैं। मुझे सुबह 8 बजे का पहला स्लॉट मिला है। इसके बाद हमें अपना प्रोडक्ट मिल जाएगा। मैं हर साल अपना मोबाइल बदलता हूँ। अभी मेरे पास 17 है।

गैंगवार या पुरानी रंजिश, जिम ट्रेनर विजय कुमार हत्याकांड के फरार शूटरों की हुई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आया नगर में जिम ट्रेनर विजय कुमार की 18 गोलियां मारकर हत्या करने वाले तीन शूटरों की दिल्ली पुलिस ने पहचान कर ली है।

अंकुश, निखिल उर्फ गप्पू व दीपक नाम के शूटर आया नगर के ही रहने वाले हैं। वारदात में शामिल एक मुख्य शूटर की सीसीटीवी कैमरों से पहचान नहीं हो पाई है। जिन शूटरों की पहचान हुई है वे सभी अपने-अपने घरों से फरार हैं।

आरोपियों का पता लगाने में जुटी पुलिस

दक्षिण जिला पुलिस के अलावा स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच की कम से कम 10 टीमें तीनों की तलाश में दिल्ली, यूपी, हरियाणा व राजस्थान आदि राज्यों में उनके सभी संभावित ठिकानों पर लगातार छापामारी कर रही हैं। पुलिस इनके स्वजन को हिरासत में लेकर ठिकाने के बारे में पता लगाने में जुटी हैं। पुलिस को शक है कि इस घटना के बाद आया नगर में एक बार फिर गैंगवार जैसी स्थिति भी पैदा हो सकती है। बताया कि वारदात के दिन ही विदेश में छिपे हिमांशु उर्फ भाऊ के नाम से सोशल मीडिया पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी लेने की बात सामने आई थी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हिमांशु के नाम से पोस्ट उसी ने की थी अथवा उसके नाम पर किसी अन्य ने पोस्ट किया था। मृतक के स्वजन ने दूसरे पक्ष के फरीदाबाद के रहने वाले रिश्तेदार कमल (अरुण लोहिया का मामा) और आया नगर के रोहित पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस इस बारे में जानकारी जुटा रही है। बता दें कि आया नगर गांव में हंसा चौक के पास जिम ट्रेनर विजय कुमार की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल से 18 खोखे और एक कारतूस बरामद किया था। 15 मई 2025 को रतनलाल के बेटे दीपक ने लेनदेन की रंजिश में आया नगर के रहने वाले अरुण लोहिया नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दीपक के साथ ही योगेश और अजय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अरुण लोहिया का मामा कमल गैंग्सटर नीरज फरीदपुरिया का करीबी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कमल ने नीरज फरीदपुरिया से भांजे की मौत का बदला लेने के लिए शूटरों का इंतजाम करने को कहा था। उनकी योजना दीपक की हत्या करने की थी, पर वह जेल में था। कमल के कहने पर ही नीरज फरीदपुरिया ने रणदीप भाटी से संपर्क कर तीन शूटरों को सुपारी देकर दीपक के पिता रतनलाल की 30 नवंबर 2025 को हत्या करा दी थी।

अमेरिका का नया नियमः 30 पार कर चुके सैनिकों की टेस्टोस्टेरोन जांच अब जरूरी, पेंटागन ने जारी की गाइडलाइन

वॉशिंगटन, एजेंसी। पेंटागन ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के अमेरिकी सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन की कमी की अनिवार्य जांच शुरू करने के लिए नई क्लिनिकल गाइडलाइन जारी की हैं। इसके साथ ही, इलाज के लिए सीमाएं तय की हैं। वहीं, सिर्फ परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए इस हार्मोन का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी भी दी है।

रक्षा स्वास्थ्य एजेंसी ने 17 सितंबर को गाइडेंस जारी की। यह जुलाई के उस निर्देश के तहत पुरुष सैन्य कर्मियों के लिए स्क्रीनिंग और इलाज की एक जैसी प्रक्रियाएं तय करती है, जिसमें सक्रिय और आरक्षित कर्मियों शामिल हैं। 30 साल से कम उम्र के लोग स्क्रीनिंग के लिए अनुरोध कर सकते हैं। पेंटागन ने इस पहल को युद्ध की तैयारियों से जोड़ा।

पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'विभाग एक ऐसी तैयार और घातक लड़ाकू फोर्स बनाने और उसे बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो युद्ध के मैदान में दबदबा बनाने और ताकत के जरिए शांति हासिल करने में सक्षम हो।' हालांकि, क्लिनिकल दस्तावेज में पुष्टि की गई कमी का इलाज करने और युद्ध के मैदान में बेहतर प्रदर्शन के लिए टेस्टोस्टेरोन देने के बीच स्पष्ट अंतर बताया गया है। इसमें कहा गया है, 'मौजूदा सबूतों के आधार पर, किसी बीमारी या कमी के इलाज के बजाय परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के मकसद से दी जाने वाली सलाह को सही नहीं ठहराया जा सकता।' गाइडेंस के

मुताबिक, स्क्रीनिंग की शुरुआत लक्षणों और जोखिम वाले कारकों (रिस्क फैक्टर्स) के व्यवस्थित आकलन से होती है। अगर यह आकलन पॉजिटिव आता है या लिस्ट में शामिल कोई जोखिम कारक मौजूद होता है, तो इसके बाद ब्लड टेस्ट किया जाता है। स्क्रीनिंग की जरूरत का मतलब यह नहीं है कि हर सर्विस मेंबर को अपने-आप हार्मोन ट्रीटमेंट मिल जाएगा। बीमारी का पता लगाने के लिए लगातार कम टेस्टोस्टेरोन लेवल और उससे जुड़े लक्षणों का होना जरूरी है। सिर्फ लैब की कम रीडिंग या सिर्फ लक्षण काफी नहीं हैं। गाइडलाइन के अनुसार, अलग-अलग दिनों में खाली पेट सुबह के समय खून के दो सैंपल लेने चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर टोटल टेस्टोस्टेरोन रीडिंग नॉर्मल रेंज में होने के बावजूद लक्षण बने रहते हैं, तो आगे और टेस्ट किए जाने चाहिए।

इसके लक्षणों में क्या होती है? इसके लक्षणों में ऊर्जा में कमी, ध्यान लगाने में दिक्कत, मांसपेशियों का कम होना और उदास महसूस करना शामिल हो सकता है। गाइडेंस में चेतावनी दी गई है कि ये लक्षण नींद की कमी, मानसिक तनाव, जरूरत के हिसाब से कैलोरी न लेने और मिलिट्री सर्विस में आम दूसरी स्थितियों जैसे भी हो सकते हैं। गाइडेंस में बताए गए मिलिट्री सर्विलांस रिकॉर्ड से पता चलता है कि 2018 और 2025 के बीच, हर साल 1% से भी कम पुरुष सर्विस मेंबर में एक्टिव क्लिनिकल डायग्नोसिस पाया गया।

टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से क्या फायदा होते है?

डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से शरीर की बनावट और बोन मिनरल डेंसिटी में फायदे देखे गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि ऊर्जा, जीवन-शक्ति, शारीरिक कार्यक्षमता या सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निशन) को बेहतर बनाने के लिए इसके इस्तेमाल का समर्थन करने वाले सबूत नहीं हैं।

होर्मुज में ईरान का बड़ा एक्शनः टोगो के तेल टैंकर को बनाया निशाना, इलाके में बढ़ा तनाव

तेहरान, एजेंसी। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में टोगो के झंडे के नीचे चल रहे एक तेल टैंकर पर हमला किया। इसके बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से फरवरी के अंत में ईरान पर हमला करने के बाद से तेहरान ने जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी कर रखी है। दरअसल, इस्लामी गणराज्य आवागमन के लिए शुल्क लगाना चाहता है

और उन जहाजों पर हमला करता है, जिन पर वह अपने पसंदीदा मार्ग को दरकिनार करने का प्रयास करने का आरोप लगाता है। बयान में कहा गया है, 'टोगो के झंडे वाले तेल टैंकर 'ट्रेंड' को उस समय निशाना बनाया गया और हिरासत में लिया गया जब उसमें आग लग गई।' यह बयान महत्वपूर्ण जलमार्ग से अवैध रूप से गुजरने के प्रयास का जिक्र करते हुए दिया गया था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने गुरुवार को ओमान के खासब से 16 समुद्री मील (29.6 किमी) उत्तर-पूर्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में एक सुरक्षा घटना की घोषणा की। यूकेएमटीओ ने शामिल पोत के बारे में कोई जानकारी नहीं दिया। इसके साथ ही यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह वही पोत है जिसका जिक्र रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किया था।

अमेरिका को छोड़ हजारों किमी दूर यूरोप से गठबंधन बना रहा कनाडा

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय आयोग (ईसी) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने हाल ही में कहा है कि वह सहयोगी के तौर पर कनाडा को यूरोपीय संघ (ईयू) से जोड़ने के दरवाजे खोलना चाहती हैं। उर्सुला के मुताबिक, यह कदम कनाडा को ईयू का पूर्ण सदस्य बनाए बिना एक सहयोगी सदस्य का दर्जा देगा, जो कि दोनों के संबंधों में एक खास पहल होगी। मजेदार बात यह है कि पड़ोसी अमेरिका से लगातार खराब होते रिश्तों के बीच कनाडा के राष्ट्रपति मार्क कार्नी ने भी स्वीकार किया कि वह यूरोपीय संघ के साथ करीबी रिश्तों के मौके तलाश रहे हैं, वह भी देश को यूरोपीय संघ का पूर्ण सदस्य बनाए बिना।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कनाडा के राष्ट्रपति का दिया यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोपीय संघ में फिलहाल 27 सदस्य हैं और यह सभी पूर्ण और स्थायी हैं। हालांकि,

कनाडा को पहली बार ईयू के सहयोगी सदस्य के तौर पर इस गठबंधन से जुड़ने की पेशकश हुई है, जो अपने आप में खास है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ईयू का महासागर के पार हजारों किलोमीटर दूर स्थित किसी देश को 'सहयोगी सदस्य' बनाने का प्रस्ताव क्या है और इसके अंतर्गत कनाडा से उसके रिश्ते कैसे होंगे? कनाडा इसके जरिए ईयू से क्या चाहता है? क्यों यह स्थिति दोनों ही पक्षों के लिए जटिल हो सकती है? अमेरिका ने अपने पड़ोसी देश को इस प्रस्तावित व्यवस्था का न्योता मिलने पर क्या कहा है?

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयन की तरफ से कनाडा को सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के मकसद से पेश किया गया है। खासकर ऐसे समय में जब डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की वजह से यूरोपीय संघ और कनाडा दोनों के ही अमेरिका से रिश्ते तनावपूर्ण हुए हैं। न्यूज एजेंसी- रॉयटर्स के मुताबिक, यूरोपीय संघ अब कनाडा के साथ एक साझा समृद्धि और आर्थिक क्षेत्र का निर्माण करना चाहता है। इसमें अहम खनिजों, रक्षा औद्योगिक क्षमता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटिंग, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरिक्ष, और डिजिटल व्यापार में गहरा सहयोग शामिल है। दोनों पक्ष एक ऐसी व्यवस्था पर भी विचार कर रहे हैं जिससे कनाडाई नागरिकों को बिना वीजा के यूरोप में रहने और काम करने की सुविधा मिल सके। इसका मकसद अमेरिका और चीन के आर्थिक वर्चस्व का मुकाबला करना और लोकतंत्र, खुले बाजारों और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा का होगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा, ईयू की पूर्ण सदस्यता नहीं मांग रहा है, बल्कि वह एक अद्वितीय गठबंधन बनाना चाहते हैं, जो कनाडा की संप्रभुता को मजबूत करे। कार्नी का कहना है कि गठबंधन को क्या नाम दिया जाता है, उससे ज्यादा अहम सहयोग की वास्तविकता होगी। सदस्य' जैसा कोई कानूनी दर्जा या स्थापित ढांचा मौजूद नहीं है। इस तरह के किसी भी नए दर्जे को मंजूरी देने या लागू करने के लिए ईयू के सभी 27 सदस्य देशों की सर्वसम्मति और घरेलू संसदों की ओर से इस फैसले को मंजूरी दिलाने की जरूरत होगी। हालांकि, यह काफी मुश्किल हो सकता है। उदाहरण के लिए- कनाडा और ईयू के बीच सीईटीए व्यापार समझौता होने के एक दशक बाद भी कई ईयू देशों ने इसे अब तक पूरी तरह से अपनी संसद से मंजूरी नहीं दिलवायी है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयन ने यह प्रस्ताव अपनी क्षमता में दिया था, लेकिन अंतिम फैसला सदस्य देशों के हाथ में है। कई ईयू कूटनीतिज्ञों ने इस प्रस्ताव पर आश्चर्य जताया है कि सदस्य देशों से चर्चा किए बिना यह घोषणा की गई और इसका वास्तविक व्यावहारिक स्वरूप अभी पूरी तरह से अस्पष्ट है। ईयू के एकल बाजार में गहरी पहुंच पाने के लिए कनाडा को अपने नियमों और मानकों को ईयू कानूनों के अनुकूल बनाना होगा, जबकि ऐतिहासिक रूप से कनाडा के नियम उसके सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका से जुड़े रहे हैं। कनाडा के लिए सबसे जटिल बात यह रहेगी कि पूर्ण सदस्य न होने की वजह से उसे ईयू के नियमों का पालन तो करना पड़ेगा, लेकिन ईयू की नीतियों को तय करने या वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा।

संपादकीय | दिशा सालियन मौत मामले में सीबीआई की एंट्री

दिशा सालियन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के 6 नि वर्ष बाद एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आ गया है। सीबीआई ने हाल ही इस संबंध में एफआईआर दाखिल की है, जिससे आरोप-प्रत्यारोप में तेजी आ गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशानुसार इस मामले की एफआईआर में आरोपी के रूप में आदित्य ठाकरे का नाम नहीं है। दिशा के पिता द्वारा की गई शिकायत के संदर्भ में लिया गया नाम केवल प्रक्रियात्मक विवरण है। दूसरी ओर आरोप को केवल राजनीतिक मानकर खारिज कर देना ठीक नहीं है।

जांचकर्ताओं को निष्पक्ष जांच करने देना ही उचित है। पिछले कुछ वर्षों से जांच करने वाली मशीनरी जिस प्रकार विपक्ष को निशाना बनाती रही है, उसे देखते हुए विपक्ष की ओर से रही है, उसे देखते हुए विपक्ष की ओर से सवाल उठाना स्वाभाविक है। जून 2020 में दिशा सालियन की 12वीं मंजिल से नीचे गिरकर मौत के बाद से तरह-तरह की शंकाएं उठती रही हैं। मुंबई पुलिस ने इसे आकस्मिक मृत्यु का मामला माना व बाद में निष्कर्ष पर पहुंची कि यह आत्महत्या थी।

दिशा के पिता सतीश सालियन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की और पुलिस जांच पर गंभीर सवाल उठाए, सतीश सालियन ने अपने बयान में आदित्य ठाकरे, उद्धव ठाकरे, अनिल देशमुख, सूरज पंचोली, डिनो मोरिया, रीया चक्रवर्ती का उल्लेख किया। ठोस सबूत मिलने पर ही सीबीआई आरोपपत्र पेश करेगी। इतने वर्ष बाद सबूत जमा कर आदालत के सामने पेश करना सीबीआई के लिए बड़ी चुनौती होगी। इस प्रकरण के समय राज्य में महाविकास

आघाड़ी की सरकार थी तथा उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में उनके पुत्र आदित्य ठाकरे मंत्री थे। गृह विभाग का दायित्व अनिल मंत्री थे। गृह विभाग का दायित्व अनिल देशमुख संभाल रहे थे।

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से भी इस प्रकरण का संबंध जोड़ा गया था। भापजा ने आदित्य ठाकरे के बारे में बार-बार सवाल कर इस प्रकरण से उनका संबंध होने का आरोप लगाया। यह आरोप लगाया गया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और गृहमंत्री अनिल देशमुख ने यह मामला दबाने और ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की।

आदित्य ठाकरे व उद्धव ठाकरे व उनकी पार्टी के नेताओं ने बार-बार सफाई दी कि यह आरोप राजनीतिक उद्देश्य से लगाए जा रहे हैं। जांच जारी रहते बीजेपी नेताओं ने इस पर अनेक अनुमान जाहिर किए। इस प्रकरण के बाद राज्य की राजनीतिक स्थिति बदल गई। उद्धव ठाकरे व एकनाथ शिंदे के संघर्ष व सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई के चलते ठाकरे परिवार पर आरोप तेज होने लगे।

आगामी चुनाव को देखते हुए दिशा सालियन प्रकरण का राजनीतिक इस्तेमाल हो सकता है। प्रचार सभाओं में पुराने मामले नए सिरे से उठाए जाते हैं। ठाकरे परिवार भी इसे बदले की राजनीति बता सकता है। इस राजनीतिक खींचतान में क्या दिशा सालियन के परिवार को न्याय मिल पाएगा? जांच के दौरान यदि किसी राजनेता से संबंधित गंभीर मुद्दा मिलता है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। सत्ता पक्ष इसे राजनीति हथियार न बनाए और विपक्ष भी इसे राजनीतिक साजिश कहकर न ठुकराए। जांच व अदालती कार्रवाई होने तक दोनों पक्षों को संयम रखना चाहिए। उचित होगा कि कानून को अपना काम करने दिया जाए।

यूपीआई पर नई फीस से ग्राहक की जेब पर क्या पड़ेगा असर?

नरेंद्र शर्मा के द्वारा

मेरा बेटा एक पब्लिक स्कूल में 11वीं कक्षा का छात्र है। उसकी 3 माह की फीस 27,210 रुपये है। अब मुझे अक्टूबर में उसकी फीस की तीसरी किस्त भरनी है। अगर यह फीस में यूपीआई द्वारा अदा करता हूं तो उस पर ज्यादा रकम देनी पड़ेगी। यह अतिरिक्त फीस कौन अदा करेगा? इसका बोझ मुझ पर ही पड़ेगा। अनुमान यह है कि यही स्थिति बीमा प्रीमियम की भी रहेगी। कहने का अर्थ यह है कि 2,000 रुपये से ऊपर के यूपीआई पेमेंट्स पर जो यह 0.4 प्रतिशत की फीस लगाई गई है, उसका बोझ आखिरकार ग्राहक या उपभोक्ता को ही उठाना पड़ेगा। नाक चाहे इधर से पकड़ लो या उधर से पकड़ लो। यूपीआई पेमेंट्स पहले फ्री थे और अब इन पर फीस लगा दी गई है। इससे महंगाई निश्चित रूप से बढ़ेगी, आम आदमी यूपीआई से पेमेंट करना बंद/कम कर देगा। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने 15 सितंबर 2026 को 2,000 रुपये से ऊपर के यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की घोषणा की। फ्लैट 5 रुपये का चार्ज पेट्रोल व डीजल की खरीद, बीमा प्रीमियम, रेल टिकट, स्कूल और अन्य अनेक सरकारी सेवाओं पर लगाया जाएगा।

आगामी 15 अक्टूबर 2026 से लागू होने के बावजूद एमडीआर व्यक्ति-से-व्यक्ति को किए गए पेमेंट पर नहीं लगेगा यानी रिश्तेदारों व दोस्तों को किए गए यूपीआई ट्रांसफर पर कोई फीस नहीं लगेगी और ऑटो डेबिट पर भी कोई चार्ज नहीं लगेगा। इसी तरह छोटे व्यापारियों, चाय की दुकानों, किराना स्टोर या मिल्क बूथों के लिए भी एमडीआर की छूट होगी। अगर आपने अपने दोस्त को 2,00,000 रुपये बतौर यूपीआई ट्रांसफर किए हैं तो उस पर किसी प्रकार का कोई एमडीआर नहीं होगा, लेकिन अगर आपकी चाय की दुकान है और आपको 1,10,000 रुपये यूपीआई ट्रांसफर से आए तो आपको इस पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर देना होगा। जाहिर है एक दुकानदार के रूप में यह अतिरिक्त पैसा आप अदा करना पसंद नहीं करेंगे। इस स्थिति में आप यूपीआई ट्रांसफर को प्राथमिकता देना बंद/कम कर देंगे और ग्राहकों से कैश लेना चाहेंगे। दूसरा यह कि इस अतिरिक्त भार को अपने ग्राहकों पर डालने का प्रयास करेंगे यानी एक कप चाय जो 20 रुपये की बेचते हैं उसे 21-22 रुपये में देने लगेंगे। म्यूच्यूअल फं या स्टॉकब्रोकर्स को पेमेंट्स पर एमडीआर 0.02 प्रतिशत निर्धारित किया गया है, 300 रुपये के कूल कैप के साथ। वित्त मंत्रालय ने कहा है, 'बैंकों को यह सलाह दी गई है कि वह यह सुनिश्चित करें कि व्यापारी एमडीआर चार्ज ग्राहकों पर न थोपें। यूपीआई एप्लीकेशन प्रोवाइडर्स को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया है कि वह प्लेटफार्म फीस या छुपे हुए चार्ज ग्राहकों पर न थोपें।' इस वक्तव्य का अर्थ यह है कि चार्ज व्यापारियों को बर्दाश्त करना पड़ेगा। लेकिन क्या ऐसा संभव है? ई-कॉम प्लेटफार्म को 0.4 प्रतिशत फीस देनी होगी, 300 रुपये के कैप के साथ। चाहे आप स्मार्टफोन खरीदें या सोफा सेट प्लेटफार्म को 300 रुपये देने होंगे। कौन-सा ऑनलाइन प्लेटफार्म (या बड़े फुटकर व्यापारी या रेस्टोरेंट) हर बड़ी बिक्री पर 300 रुपये देना पसंद करेगा। व्यापारी इस फीस को अपने ग्राहकों की तरफ धकेल देंगे अपनी चीजों का दाम बढ़ाकर दुकानदार यूपीआई से पैसा लेना पसंद नहीं करेंगे। ई-कॉम प्लेटफॉर्म्स हाई-वैल्यू सौदे में डिस्काउंट देना बंद कर देंगे या कीमत बढ़ा देंगे।

आज का कार्टून

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी!

रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब 'लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026' कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा।

भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार

उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी हिस्सेदारी 30.3 प्रतिशत रही और करीब 134.7 अरब डॉलर के कुल आयात में रूस से आने वाले तेल की कीमत 40.8 अरब डॉलर रही। जुलाई 2026 में तो भारत के आयातित तेल में रूसी हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा पहुंच गई।

इसके अलावा, आज वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो वह भी सामान्य नहीं हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध और आपूर्ति संकट ने तेल बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाएं हैं और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत भी दबाव में हैं। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन रूस और पश्चिम एशिया उसकी ऊर्जा सुरक्षा के मुख्य आधार बने हुए हैं। ऐसे समय में अचानक रूसी तेल बंद करना केवल रूस के खिलाफ फैसला नहीं होगा, बल्कि भारत की अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकता है।

यही कारण है कि पिछले साल अमेरिकी दंडात्मक शुल्क भी भारत को रूसी तेल से पूरी तरह दूर नहीं कर सके। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती तब की जब रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगाए गए और व्यापार करना कठिन हो गया। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में आपूर्ति संकट गहराया, भारत ने फिर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। जुलाई में रूसी तेल की खरीद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे एक बात साफ होती है कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है।

यहां इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व सामने आता है। अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। जबकि रूस भारत की ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। चीन भी रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों का संतुलन साध रहा है। ऐसे में नई दिल्ली के सामने चुनौती किसी एक खेमे में जाने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बचाए रखने की है।

इसके अलावा, ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की पुतिन और जिनपिंग के साथ बढ़ती कूटनीतिक निकटता ने जिस बदलती विश्व व्यवस्था की तस्वीर अमेरिका के सामने रखी, उसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी कांग्रेस का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने वाला कदम कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन को यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि दुनिया अब उसकी शर्तों पर नहीं चलती? देखा जाये तो भारत, रूस और चीन का एक मंच पर आना और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा संप्रभु समानता की वकालत करना उस अमेरिकी वर्चस्ववादी सोच के लिए सीधी चुनौती है, जिसमें लंबे समय से आर्थिक ताकत को कूटनीतिक दबाव के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन बदलती दुनिया का संदेश साफ है। भारत सहित उभरती शक्तियां अब अपने राष्ट्रीय हितों का फैसला किसी बाहरी राजधानी के इशारे पर नहीं करेंगी।

खैर...अब गेंद ट्रंप के पाले में है। अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति दे दी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सौ प्रतिशत शुल्क स्वतः लागू हो गया। अंतिम निर्णय ट्रंप को करना है। शुल्क कितना होगा, किन वस्तुओं पर लागू होगा और कब लागू होगा, इन सबका असर भारत-अमेरिका व्यापार पर पड़ेगा। भारत का रुख स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं होगा, विकल्पों का विस्तार जारी रहेगा, अमेरिका से बातचीत जारी रहेगी और राष्ट्रीय हितों पर कोई एकतरफा समझौता नहीं होगा। अमेरिकी शुल्क चाहे जितना बड़ा हो, भारत के लिए असली सवाल किसी एक देश को खुश करना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

ब्रिक्स की सफलता के बाद भारत ने पड़ोस में छेड़ा 'महा-अभियान

नई दिल्ली ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद जिस गति से पड़ोसी देशों के साथ उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ाया है, उसने भारतीय विदेश नीति के अगले चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बाद भारत ने हिमालयी पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी सक्रियता तेज कर दी है। भूटान में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यात्रा इसका सबसे ताजा उदाहरण है।

16 से 18 सितंबर तक की यात्रा में जयशंकर ने भूटान के प्रधानमंत्री के अलावा विदेश मंत्री डी.एन. ढुंगयेल के साथ विकास, ऊर्जा, व्यापार, संपर्क, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों पर व्यापक चर्चा की। इसके साथ ही भारत ने तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाकर यह संदेश दिया कि भूटान के साथ संबंध केवल पारंपरिक मित्रता तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले विकास और रणनीतिक सहयोग पर आधारित हैं। जयशंकर ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे को 54 'मेडइन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपते हुए कहा कि मुझे बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि भारत, भूटान की ई-मोबिलिटी और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में हो रही प्रगति में सहयोग कर रहा है।

साथ ही गासा में 500 किलोवाट की लुनाना जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखी गई। इसका उद्देश्य भूटान की उन बस्तियों तक बिजली पहुंचाना है, जो अब तक विद्युतीकरण से बाहर हैं। मोंगार में 65 बिस्तरों वाले ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन हुआ, जबकि समद्रुप जोंगखार में 80 मीटर लंबे जगनाथन पुल का लोकार्पण किया गया। ऊर्जा, स्वास्थ्य और सड़क संपर्क, तीनों क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ाए गए ये काम भारत-भूटान साझेदारी की व्यापकता दिखाते हैं।

इसके अलावा, भूटान के बूमथांग में जयशंकर की गतिविधियों का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया। उन्होंने स्थानीय किसानों के लिए शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गायें सौंपीं। उनका कहना था कि इससे भूटान के डेयरी कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी, दूध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय को लाभ होगा। उन्होंने वांगदुएछोलिंग महल और संग्रहालय का दौरा किया तथा कुर्जे ल्हाखांग में प्रार्थना भी की। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत का भूटान संपर्क केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि कृषि, संस्कृति और जनसंपर्क तक फैला हुआ है। साथ ही जयशंकर की यात्रा को विदेश सचिव विक्रम मिसरी की हाल की भूटान यात्रा से अलग करके नहीं देखा जा सकता। 30-31 जुलाई को मिसरी ने भूटान के विदेश सचिव पेमा लेक्तुप दोर्जी के साथ 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए पांचवीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह-अध्यक्षता की थी। दोनों देशों ने विकास साझेदारी, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की थी। भूटान की 2024-29 की पंचवर्षीय योजना के लिए भारत के 10,000 करोड़ रुपये के समर्थन की प्रगति की भी समीक्षा हुई थी।

दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

अर्थात जुलाई में विदेश सचिव स्तर पर बनी रूपरेखा के बाद सितंबर में विदेश मंत्री स्तर पर उसके राजनीतिक और व्यावहारिक आयामों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसे भारत की भूटान नीति में निरंतरता और संस्थागत गहराई के संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

इस बीच नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले आज 17 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे हैं। उनकी यात्रा का मुख्य केंद्र हाल की विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल के पुनर्निर्माण, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा संबंधी जरूरतें हैं। वह भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री जयशंकर सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

भारत ने संकट की घड़ी में नेपाल को बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाया है। भारत ने दिसंबर के अंत तक नेपाल को प्रतिदिन 18 घंटे के लिए 654 मेगावाट तक बिजली निर्यात की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से नेपाल की जलविद्युत परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा, दक्षिण दिशा में भी भारत ने समानांतर संदेश दिया है। 8 से 10 सितंबर के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की यात्रा की, जो लगभग 38 वर्षों बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की श्रीलंका यात्रा थी। दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर सहयोग बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि श्रीलंकाई भूभाग का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के प्रतिकूल गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। इन घटनाओं को एक साथ रखकर देखें तो भारत की रणनीति के तीन स्पष्ट आयाम सामने आते हैं। हिमालय में विकास और संपर्क, आपदा के समय आर्थिक तथा मानवीय सहयोग और हिंद महासागर में सुरक्षा साझेदारी। देखा जाये तो भूटान में जलविद्युत और पुल, नेपाल में पुनर्निर्माण और बिजली तथा श्रीलंका में रक्षा और समुद्री सुरक्षा, ये सब भले अलग-अलग पहल दिखती हैं, लेकिन इनके पीछे क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-केंद्रित संपर्क तंत्र को मजबूत करने की साझा दिशा दिखाई देती है।

सामरिक दृष्टि से भूटान का महत्व विशेष है। भारत-भूटान सीमा और हिमालयी क्षेत्र चीन के साथ भारत की व्यापक सुरक्षा गणना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे में भूटान के साथ विश्वास, संपर्क, ऊर्जा और विकास सहयोग को मजबूत करना केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सामरिक स्थिरता से भी जुड़ा है।

वहीं नेपाल भारत की उत्तरी सुरक्षा और संपर्क संरचना में महत्वपूर्ण है, जबकि श्रीलंका हिंद महासागर में समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अहम है। इसलिए काठमांडू, थिम्पू और कोलंबो में एक साथ सक्रियता को भारत के पड़ोस को अलग-अलग द्विपक्षीय रिश्तों की बजाय एक जुड़े हुए क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में देखने की कोशिश के रूप में समझा जा सकता है।

बहरहाल, ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने की बात करने के तुरंत बाद पड़ोस में विकास, पुनर्निर्माण, ऊर्जा, संपर्क और सुरक्षा पर जोर देकर भारत यह दिखा रहा है कि उसकी वैश्विक भूमिका का आधार केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच नहीं, बल्कि उसके आसपास का स्थिर, जुड़ा और सहयोगी क्षेत्र भी है। यही इस पूरी कूटनीतिक सक्रियता का सबसे बड़ा रणनीतिक संकेत है।

संक्षिप्त समाचार

'बॉल-टैम्परिंग' की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है: स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल

करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था। कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं। स्मिथ ने कहा, 'निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी।' दिग्गज बल्लेबाज ने गुरुवार को न्यूज कॉर्प को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं कैमरों का बहुत बड़ा फैन नहीं हूं।

एसटीसीएल क्रिकेट लीग के लिए चंडीगढ़ में ट्रायल, 199 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में महाजन क्रिकेट ग्राउंड में हुए ट्रायल, चुने गए खिलाड़ियों का पूरा खर्च उठाएगी लीग चंडीगढ़। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) के लिए गुरुवार को चंडीगढ़ के महाजन क्रिकेट ग्राउंड में क्रिकेट ट्रायल आयोजित किए गए। लीग आयुक्त और पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में ट्रायल का सफल संचालन किया गया। ट्रायल में कुल 199 क्रिकेट खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा ??के अलावा पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी सुभाष

महाजन, शरणजीत सिंह, तेजिंदर सिंह (तेजी), सुखविंदर बावा और वरिंदर चोपड़ा भी मौजूद रहे। एसटीसीएल का उद्देश्य प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को नया मंच और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। लीग के लिए खिलाड़ियों से चयन ट्रायल का कोई पंजीकरण शुल्क नहीं लिया गया। पूरे राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए चयन ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम को तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। लीग के सभी मैच सोनी लिव और डीडी स्पोर्ट्स पर सीधे प्रसारित किए जाएंगे।

चयनित खिलाड़ियों के आने-जाने, रहने और खाने का खर्च लीग उठाएगी- एसटीसीएल के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों के घर से उदयपुर स्थित मिराज इंटरनेशनल स्टेडियम तक आने-जाने का इंतजाम लीग की ओर से किया जाएगा। खिलाड़ियों को वातानुकूलित ट्रेन से उदयपुर लाया और वापस घर पहुंचाया जाएगा।

अभिषेक का तूफानी शतक

तीसरा टी20: अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत, सीरीज में 3-0 से 'क्लीन स्वीप'

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में 127 रन से ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से 'क्लीन स्वीप' किया। यह टी20 इतिहास में भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, 8 सितंबर 2022 को टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 101 रन के अंतर से हराया था। इस फॉर्मेट में भारत ने सबसे बड़ी जीत 1 फरवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की है, जब उसने कीवी टीम को 168 रन से रौंदा था। यह अफगानिस्तान के लिए भी टी20 इतिहास में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। भारत ने सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से अपने नाम किया था।

इसके बाद मंगलवार को खेले गए मैच में भी टीम इंडिया ने इतने ही अंतर से जीत हासिल की थी। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा और संजू सैसमन की तूफानी पारियों के दम पर 221/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवरों में 142 रन की साझेदारी की। अभिषेक 34 गेंदों में 11 छक्कों और 9 चौकों को साथ 108 रन बनाकर आउट हुए

अभिषेक शर्मा ने मचाई तबाही, टी20 इंटरनेशनल में लगाया सबसे तेज शतक

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है। अभिषेक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टेस्ट खेलने वाले देशों में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने तीसरे टी20 में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अभिषेक फुल मेंबर देशों की तरफ से टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ओवरऑल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने एस्टोनिया की तरफ से खेलते हुए साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं, तुर्की के बल्लेबाज मोहम्मद फहद ने बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक लगाया था। अभिषेक ने अपनी तूफानी पारी के दौरान खेली 34 गेंदों में 108 रन बनाए।

अय्यर ने दिखाया बड़ा दिल

ट्रॉफी के साथ तस्वीर के लिए अफगान कप्तान जादरान को बुलाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने गुरुवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 127 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान की मेजबानी में आयोजित 3 टी20 मैचों की सीरीज भारतीय टीम ने 3-0 से जीत ली। खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कुछ ऐसा किया जिसने भारत और अफगानिस्तान दोनों देशों के करोड़ों क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय टीम सीरीज जीतने के बाद जब ट्रॉफी के साथ ग्रुप फोटो ले रही थी, तो टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ तस्वीर लेने के लिए रोमांचित नजर आ रहे थे। इसी बीच भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी तस्वीर के लिए बुलाया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में जादरान, श्रेयस अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर तस्वीर खींचवा रहे हैं।

ट्रॉफी लेने के समय भी अय्यर ने जादरान को बुलाया था। नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेली गई 3 टी20 मैचों की सीरीज का मेजबान अफगानिस्तान था। नए कप्तान इब्राहिम जादरान के नेतृत्व में अफगानिस्तान का सीरीज में बेहद खराब प्रदर्शन रहा। टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निराश किया और तीनों ही टी20 बुरी तरह हारी। इसी के साथ भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की पहली जीत का इंतजार बरकरार रहा।

एशियन गेम्स: भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा

सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला

निशिन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं।

मुखुहलानी बने आईसीसी के नए डिप्टी चेयरमैन

जय शाह ने दी बधाई

दुबई । टावेंगवा मुखुहलानी को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का डिप्टी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह नवंबर 2027 तक इस पद पर रहेंगे। मुखुहलानी, जो इस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन हैं और आईसीसी बोर्ड में अपने देश का

प्रतिनिधित्व करते हैं, इमरान ख्वाजा के पद छोड़ने के बाद यह नई जिम्मेदारी संभालेंगे। मुखुहलानी आईसीसी की फाइनेंस एंड कमर्शियल अफेयर्स (एफ एंड सीए) कमेटी और नॉमिनेशन कमेटी के सदस्य हैं। इसके अलावा, वह आईसीसी की एचआर और रेमुनरेशन कमेटी के प्रमुख भी हैं। अब डिप्टी चेयरमैन का पद संभालकर वह आईसीसी के इस अहम पद पर पहुंचने वाले पहले जिम्बाब्वेवासी बन जाएंगे।

मनीषा को एशियन गेम्स 2026 में दमदार प्रदर्शन का भरोसा

'शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा'

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, 'मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं।

मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।' मनीषा के लिए एशियन गेम्स का खास महत्व है, क्योंकि यह इन खेलों में उनकी पहली भागीदारी होगी। कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, उनका कहना है कि इतने बड़े स्तर के इवेंट में मुकाबला करने का मौका एक अलग तरह का उत्साह लाता है, जबकि उनका लक्ष्य सीधा है – मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, लेकिन एशियन गेम्स भारत के लिए खास हैं।

रोहित शर्मा के शो में पहुंचे शिखर धवन, हिटमैन ने कहा- वाई फिकर

वैन आई हैव शिखर

मुंबई । भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा वेब रियलिटी गेम शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में बतौर होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में उनके साथ कई जाने-माने क्रिकेटर और अन्य सितारे मस्ती करते नजर आएंगे। आगामी एपिसोड में रोहित शर्मा ने अपने पुराने दोस्त और पूर्व ओपनिंग पार्टनर शिखर धवन का गर्मजोशी, यादों और दोस्ती से भरे अंदाज में स्वागत किया। एपिसोड की शुरुआत में रोहित शर्मा ने मजाकिया लहजे में स्वागत किया और कहा कि सभी लोग बगीचे में खिले फूलों की तरह फ्रेश लग रहे हैं और बताया कि वह खुद भी आज कुछ ज्यादा ही फ्रेश महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका कोई बहुत करीबी मित्र आने वाला है।

एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप से पहले

भारतीय जुडोकाओं को जापान में मिलेगा ट्रेनिंग एक्सपोजर

नई दिल्ली । स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एशियन गेम्स 2026 और बाकू में होने वाली विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों के तहत भारत की सीनियर जूडो टीम के लिए जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में विदेशी प्रशिक्षण शिविर की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। 14 सदस्यों का एक भारतीय दल 2 अक्टूबर तक सुकुबा यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल ट्रेनिंग (प्री-गेम्स) प्रोग्राम में हिस्सा ले रहा है, जिसमें 11 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 10 महिला एथलीट) और 3 कोच शामिल हैं। इन 11 जूडो खिलाड़ियों में से तीन, अस्मिता डे (महिला -48 किग्रा), यामिनी मौर्य (महिला -57 किग्रा) और तखेलंबम इनुंगनबी (महिला -70 किग्रा) एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा हैं।

अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबला करेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी 1 अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरिना (आईजी एरिना) में मैट पर उतरेंगी।

विदेश में ट्रेनिंग का यह कैंप इंटरनेशनल कैलेंडर के एक अहम पड़ाव पर हो रहा है, क्योंकि आइची-नागोया में एशियन गेम्स के ठीक बाद 4 से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप होगी। बाकू टूर्नामेंट में कुल 10 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 9 महिलाएं) हिस्सा ले रहे हैं।

सुकुबा यूनिवर्सिटी में फिलहाल ट्रेनिंग लेने वालों में पुरुषों में हर्ष सिंह (60 किग्रा)

शामिल हैं, जबकि महिला स्क्वाड में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट अस्मिता डे (48 किग्रा), श्रद्धा चोपड़े (52 किग्रा), एल. नुंगशिथोई चानू (52 किग्रा), यामिनी मौर्य (57 किग्रा), लिंथोई चानंबम (63 किग्रा), उन्नति शर्मा (63 किग्रा), हिमांशी टोकस (63 किग्रा), तखेलंबम इनुंगनबी (70 किग्रा), केएच ताइबंगनबी (70 किग्रा) और इशरूप नारंग (78 किग्रा) शामिल हैं। कोचिंग स्टाफ में जीवन कुमार शर्मा, बिरेंद्र सिंह और राजविंदर कौर शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670